सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

दुनिया में कोई भी चीज कितनी भी कीमती क्यों न हो, परन्तु भगवान ने हमें जो नींद, शांति, और आनन्द निःशुल्क दिया है, उससे कीमती हमारे जीवन में कुछ भी नहीं..!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–62 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 23 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

नई दृष्टिबिंदु से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार याज्ञवल्क्य

भिलाई। प्रतिष्ठित समाचार पत्र सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु से प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार याज्ञवल्क्य मिश्रा जुड़ गए हैं। श्री मिश्रा सांध्य दैनिक की संपादकीय टीम को अपना मार्गदर्शन भी देंगे। स्तंभकार के तौर पर प्रति सोमवार याज्ञवल्क्य मिश्रा की कलम से सोलह दूनी आठ नामक स्तंभ लिखा जाएगा। आज के अंक से ही स्तंभ का प्रकाशन किया जा रहा है। सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु के संपादक आलोक तिवारी ने वरिष्ठ पत्रकार याज्ञवल्क्य मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया है।

प्रशांत ने आईएमओ में हासिल की सफलता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

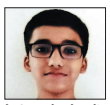

डीपीएस रिसाली के सातवीं कक्षा के छात्र प्रशांत कुमार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। प्रशांत ने लगातार चौथी वर्ष इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड लेवल–2 एग्जाम (आईएमओ) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न केवल विद्यालय स्तर पर बल्कि पूरे भिलाई शहर का मान बढ़ाया है। प्रशांत ने जोनल स्तर पर 14वीं रैंक और अंतर्राष्ट्रीय/विश्व स्तरीय 1950 वीं रैंक हासिल किया है। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें लगातार चौथे वर्ष लेवल–1 के परीक्षा में गोल्ड मेडल ऑफ एक्सीलेंस और लेवल–2 के एडवांस (मेन्स) परीक्षा में क्षेत्रीय उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र देने की घोषणा की गई है। प्रशांत के पिता शिवकांत झा वर्तमान में सीआईएसएफ मध्य खंड मुख्यालय भिलाई में अधीनस्थ अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

केरल विस चुनाव : कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूची जारी, पार्टी के भीतर हलचल तेज

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

केरल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा उम्मीदवारों की सूची जारी होते ही पार्टी के भीतर हलचल तेज हो गई है। टिकट नहीं मिलने से कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने अपनी भावनाएं खुलकर साझा की हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए उन्होंने राहुल गांधी को टैग किया और उनके प्रति अपना सम्मान और लगाव व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि वह राहुल गांधी को बेहद पसंद करती हैं और उनका सम्मान करती हैं, लेकिन इसके साथ ही टिकट वितरण में महिलाओं

की कम भागीदारी को लेकर अपनी निराशा भी जाहिर की।

डॉ. शमा मोहम्मद ने सवाल उठाया कि जब पार्टी ने केरल में कुल 92 उम्मीदवार उतारे हैं, तो उनमें सिर्फ 9 महिलाओं को ही मौका क्यों दिया गया। उन्होंने इसे महिलाओं के लिए चिंताजनक स्थिति बताया और पार्टी नेतृत्व से इस पर ध्यान देने की अपील की।

उन्होंने आगे कहा कि लोकसभा चुनावों में भी महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला। उनके मुताबिक, 16 टिकटों में से सिर्फ एक महिला उम्मीदवार को मौका दिया गया, जो महिला सशक्तिकरण के दावों के विपरीत नजर आता है। डॉ. शमा मोहम्मद की यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है और सोशल मीडिया पर लोग तरह–तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई यूजर्स कांग्रेस के पुराने नारे 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' की याद दिला रहे हैं।

गौरतलब है कि डॉ. शमा मोहम्मद इससे पहले भी सुर्खियों में रह चुकी हैं, जब उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को लेकर टिप्पणी की थी, जिस पर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा था। पेशे से डेंटिस्ट डॉ. शमा मोहम्मद कांग्रेस में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और एआईसीसी की सदस्य भी हैं। उन्होंने केरल में पार्टी की महिला नेताओं के समर्थन में आवाज उठाते हुए कहा कि उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इस बीच, केरल में आगामी 9 अप्रैल को मतदान होना है और सभी राजनीतिक दल अपनी–अपनी रणनीति में जुटे हुए हैं।

भिलाई बचाओ आंदोलन का दूसरा चरण

भिलाई को बचाने सैकड़ों परिवार उतरे सड़क पर

विधायक देवेन्द्र यादव के साथ 1000 कदम चलकर जताया बीएसपी प्रबंधन के निर्णय का विरोध

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई बचाओ आंदोलन के द्वितीय चरण के तहत भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र समेत टाउनशिपवासियों ने बीएसपी सेल प्रबंधन के खिलाफ सिविक सेंटर पार्किंग से 25 मिलियन सेक्टर–5 चैक तक 1000 कदम की मौन पदयात्रा की। 24 दिसंबर 2025 को बीएसपी प्रबंधन के अधिकारियों से हुई चर्चा अनुसार लोगों की हित से जुड़े हुए विषयों को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। विधायक ने बीएसपी प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 30 दिन के अंदर प्रबंधन जनहित में निर्णय नहीं लेता है,तो इस्पात भवन का घेराव करने से पीछे नहीं हटेंगे।

सिविक सेंटर पार्किंग से पदयात्रा में बडी संख्या में बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मचारी, लीजधारी, सिविक सेंटर समेत टाउनशिप के व्यापारीगण, रिटेंशनधारियों से जुड़े परिवारों के बच्चों से लेकर बड़ें बुजुर्ग शामिल हुए और विधायक देवेन्द्र यादव के साथ कदम ताल कर लगभग 1 किलोमीटर की पदयात्रा की।पदयात्रा में महापौर नीरज पाल, पूर्व विधायक अरूण वोरा, पूर्व महापौर आर एन वर्मा, नीता लोधी, सभापति गिरवर बंटी साहू, हाउस लीज संघर्ष समिति के राजेन्द्र परगनिहा, एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एंथोनी, साकेत चंद्राकर, संदीप निरंकारी, केशव चैबे, एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, चंद्र शेखर गवई जोन अध्यक्ष भूपेन्द्र यादव, राजेश चैधरी, पार्षद सुभद्रा सिंह, नोमिन साहू, साधना सिंह, डी सुजाता, अभिषेक मिश्रा, अभय सोनी, सुरेश वर्मा, के जगदीश,शुभम झा, रिसाली निगम के पार्षद सनीर साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी अतुलचंद साहू, अरूण सिसोदिया, डी काम राजू, मनोज पांडेय, जिला कांग्रेस के महामंत्री सुमीत पवार, निरंजन बिसाई, आशीष शुक्ला, दीपांशु वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष गुडडू खान, सौरभ मिश्रा, सौरभ दत्ता, दानेश्वरी साहू, जी राजू, नरसिंग नाथ, दिनेश पटेल, एम गोपाल,,शुभम वर्मा, अभय प्रताप सिंह, इमाम, जुल्फीकार सिदिकी, आकाश कन्नौजे, इमाम खान, केतन तिवारी, राहुल शर्मा सीटू, एटक, एक्टू, एचएमएस समेत अन्य यूनियन के पदाधिकारीगण शामिल हुए।

विशेष टिप्पणी

बदलता विश्व–व्यवस्था का चेहरा : क्या अमेरिका–इजराइल युग ढलान पर?

आलोक तिवारी / भिलाई

द्वितीय विश्व युद्ध (1945) के बाद जिस वैश्विक व्यवस्था में हम बड़े हुए—जहाँ एक स्थिर 'वर्ल्ड ऑर्डर', अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की विश्वसनीयता और अमेरिका की निर्णायक नेतृत्व भूमिका थी—क्या वह अब ढहने के कगार पर है? यह सवाल आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है।

यूक्रेन से शुरू हुआ युद्ध, पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान–इजराइल टकराव, और वैश्विक स्तर पर बढ़ती अस्थिरता—ये सब मिलकर संकेत दे रहे हैं कि दुनिया अब उस पुराने संतुलन में नहीं रही। कभी अपवाद समझे जाने वाले संघर्ष अब एक श्रृंखला का रूप लेते दिख रहे हैं।

सबसे बड़ा बदलाव जिस रूप में सामने आ रहा है, वह है अमेरिका की भूमिका। लंबे समय तक 'वैश्विक प्रहरी' माने जाने वाले अमेरिका की नेतृत्व क्षमता पर अब सवाल उठने लगे हैं। नाटो जैसे संगठन, जी–7, जी–20, यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद भी निर्णायक हस्तक्षेप करने में कमजोर नजर आ रहे हैं। यह स्थिति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने उस ढांचे के लिए चुनौती है, जिस पर दशकों तक वैश्विक शांति टिकी रही।

इजराइल–अमेरिका संबंधों में भी सूक्ष्म दरारों की चर्चा हो रही है। यह संबंध लंबे समय से रणनीतिक और अटूट माने जाते रहे हैं, लेकिन हालिया घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि भू–राजनीति अब पहले जैसी सीधी रेखा में नहीं चल रही। हर देश अब अपने तात्कालिक हितों के आधार पर निर्णय ले रहा है, चाहे वह सहयोगी ही क्यों न हो।

इस उथल–पुथल के बीच एक और तथ्य सामने आता है—लाभार्थी कौन है? विडंबना यह है कि जिस रूस को कमजोर करने की कोशिशें हो रही थीं, वही इस संकट में आर्थिक और सामरिक रूप से मजबूत होता दिख रहा है। ऊर्जा, हथियार और रणनीतिक संतुलन—तीनों मोर्चों पर रूस की स्थिति मजबूत हुई है।

अब सवाल भारत का है। इस बदलती दुनिया में भारत की भूमिका क्या होगी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में 'मल्टी–अलाइनमेंट' की नीति अपनाई—क्वाड में अमेरिका के साथ, ब्रिक्स में रूस–चीन के साथ, और पश्चिम एशिया में नए समीकरणों के साथ। यह रणनीति सिद्धांत रूप में संतुलन बनाने की थी, लेकिन वर्तमान संकट में यही संतुलन चुनौती बनता दिख रहा है।

भारत के सामने सबसे बड़ी चिंता केवल कूटनीति नहीं, बल्कि आर्थिक और मानवीय भी है। खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम कर रहे हैं, जिनकी सुरक्षा और रोजगार इस अस्थिरता से सीधे प्रभावित होते हैं। वैश्विक बाजार में उथल–पुथल, ऊर्जा संकट और निवेश पर असर—ये सभी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।

आज यह भी स्पष्ट हो रहा है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति अब केवल आदर्शों या गठबंधनों से नहीं, बल्कि तात्कालिक हितों और शक्ति संतुलन से संचालित हो रही है। ऐसे में भारत को अपनी विदेश नीति को और अधिक व्यावहारिक, आत्मनिर्भर और लचीला बनाना होगा।

क्या 1945 के बाद की दुनिया खत्म हो रही है? शायद पूरी तरह नहीं, लेकिन उसका स्वरूप तेजी से बदल रहा है। यह एक 'ट्रांजिशन पीरियड' है—जहाँ पुरानी व्यवस्थाएँ कमजोर हो रही हैं और नई अभी पूरी तरह स्थापित नहीं हुई हैं।

भारत के लिए यह समय डरने का नहीं, बल्कि अवसर को पहचानने का है। यदि सही संतुलन, स्पष्ट रणनीति और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रखे जाएँ, तो यही अस्थिरता भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति बना सकती है।

अग्निवीर भर्ती परीक्षा की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग

राजनांदगांव। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र युवाओं से 1अप्रैल तक वेबसाईट www.joinindianarmy.nic.in पर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित की गई है। भर्ती के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों की ऑनलाईन परीक्षा (सीईई) का आयोजन माह जून 2026 में संभावित है। जिला प्रशासन तथा जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र द्वारा जिले के भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु आयोजित ऑनलाईन परीक्षा की तैयारी के लिए पंजीकृत आवेदकों हेतु निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। निःशुल्क कोचिंग के लिए इच्छुक एवं पंजीकृत आवेदक रोजगार विभाग के वेबसाईट www.erojgar.cg.gov.in के डैशबोर्ड पर जाकर अग्निवीर भर्ती 2026 की लिखित परीक्षा हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए ऑनलाईन आवेदन विकल्प पर क्लिक कर आवेदन कर सकते है। निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने के लिए अभ्यर्थी का रोजगार कार्यालय में पंजीयन होना अनिवार्य है।

भिलाई में सिख पंथ में 'घर वापसी' कार्यक्रम, मानव सेवा के साथ सामाजिक समरसता का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

धर्म और सेवा के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए यूथ सिख सेवा समिति भिलाई द्वारा मानव सेवा माधव सेवा के तहत एक परिवार की सिख पंथ में घर वापसी करवाई गई। यह कार्यक्रम गुरुद्वारा हरगोबिंद साहिब में धार्मिक रीति–रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम यूथ सिख सेवा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, गुरुद्वारा हरगोबिंद साहिब कैंप–2 के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह चावला तथा छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के महासचिव गुरनाम सिंह कूका सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस दौरान स्त्री सत्संग जत्था कैंप–1 एवं कैंप–2 की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

बताया गया कि संबंधित परिवार ने पूर्व में पारिवारिक परिस्थितियों या

प्रलोभन के चलते धर्म परिवर्तन कर लिया था, लेकिन सिख धर्म के सिद्धांतों एवं मानव सेवा की भावना से प्रभावित होकर पुनः सिख पंथ को अपनाया। कार्यक्रम के दौरान रागी कमलजीत सिंह द्वारा कीर्तन किया गया, वहीं ग्रंथी सतविंदर सिंह ने अरदास कर मुखवाक लिया। इसके उपरांत सभी को सिरोपा ओ प्रदान कर विधिवत घर वापसी करवाई गई। यूथ सिख सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि समिति भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रखेगी और जिन लोगों ने परिस्थितिवश धर्म परिवर्तन किया है, उन्हें पुनः जोड़ने के साथ उनकी आवश्यकताओं में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह, महासचिव जसवंत सिंह सैनी, कैंप–2 महासचिव हरपाल सिंह (हैप्पी) सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मीत प्रधान गुलविंदर सिंह, अजीत सिंह काले, गुरमीत सिंह (गीता), कुलविंदर सिंह, अमरजीत सिंह, नेत्रपाल सिंह, वरयाम सिंह, सुनील सिंह मेहरा, निर्मलजीत सिंह, हरनेक सिंह सैनी सहित बड़ी संख्या में समाजजन, माताएं एवं बहनें शामिल हुईं।

खुर्सीपार में अंडरब्रिज का निर्माण होने से मिलेगी बड़ी राहत

भारी वाहनों के लिए बनेगा डबल लेन अंडरब्रिज, ट्रांसपोर्ट नगर से BSP तक सफर होगा आसान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर की सबसे बड़ी ट्रैफिक समस्या माने जाने वाले खुर्सीपार रेलवे क्रासिंग पर अब राहत की उम्मीद नजर आने लगी है। भारतीय रेलवे ने यहां अंडरब्रिज निर्माण का काम शुरू कर दिया है, जिससे आने वाले समय में ट्रांसपोर्ट नगर से बीएसपी तक भारी वाहनों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। यह अंडरब्रिज वर्तमान खुर्सीपार गेट से करीब एक किलोमीटर दूर निगम के मिनी स्टेडियम के पास बनाया जा रहा है। खास बात यह है कि इसे भारी और बड़े वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए डबल लेन और पर्याप्त ऊंचाई के साथ तैयार किया जाएगा।

जाम और हादसों से मिलेगी मुक्ति

अभी ट्रांसपोर्ट नगर से प्लांट जाने वाले भारी वाहन खुर्सीपार गेट से गुजरते हैं, जहां लगातार जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति बनी रहती है। अंडरब्रिज बनने के बाद ये वाहन सीधे डबरापारा तिराहा होते हुए नेशनल हाईवे तक पहुंचेंगे, जिससे ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम होगा।

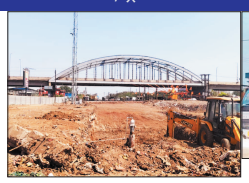

एल–शेप डिजाइन, बेहतर कनेक्टिविटी

अंडरब्रिज को एल–शेप डिजाइन में बनाया जा रहा है। इसका एक सिरा रेल लाइन पार कर खुर्सीपार गेट की ओर निकलेगा, जबकि दूसरा सिरा डबरापारा तिराहा से जुड़ेगा। एप्रोच रोड बीएसपी की बाउंड्रीवाल और रेल लाइन के बीच से निकलेगा, जिससे यातायात और भी सुगम होगा।

लगातार बंद हो रही रेलवे क्रासिंग

रेलवे मुंबई–हावड़ा मुख्य लाइन पर स्थित सभी लेवल क्रासिंग को चरणबद्ध तरीके से बंद कर रहा है। इसके तहत पहले उरला, भिलाई–3, पावर हाउस, सुपेला, नेहरू नगर, रायपुर नाका और धमधा नाका जैसे स्थानों पर अंडरब्रिज बनाकर क्रासिंग बंद की जा चुकी है। अब खुर्सीपार और परसदा क्रासिंग पर काम जारी है।

शहर के विकास में बड़ा कदम

विशेषज्ञों के अनुसार यह अंडरब्रिज न केवल ट्रैफिक जाम से राहत देगा, बल्कि औद्योगिक और परिवहन व्यवस्था को भी नई गति देगा। इससे प्लांट आने–जाने वाले वाहनों को सुरक्षित और तेज मार्ग मिलेगा, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। कुल मिलाकर, खुर्सीपार अंडरब्रिज भिलाई शहर के लिए एक बड़ी राहत और विकास का नया रास्ता साबित होने जा रहा है।

जल संकट समाधान के लिए निगम सक्रिय, नलों में टोटी लगाने और पाइपलाइन विस्तार पर दिया जोर

जहां-जहां अनावश्यक रूप से पानी बह रहा है, वहां सार्वजनिक नलों में टोटी लगवाकर पानी की बर्बादी को तत्काल रोका जाए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्ड 59 हरी नगर में जल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार द्वारा जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन, देवनारायण चंद्रकार, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद गोविंद देवांगन, शिवेंद्र परिहार,संबंधित अधिकारी प्रभारी कार्यपालन अभियंता प्रकाश चंद थावनी,सहायक अभियंता गिरीश दिवान,विनोद मांझी,जल कार्य निरीक्षक नारायण सिंह ठाकुर के साथ बैठक ली गई।

बैठक में वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की समस्या, अनावश्यक जल बहाव एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वार्ड क्षेत्र में जहां-जहां अनावश्यक रूप से पानी बह रहा है, वहां सार्वजनिक नलों में टोटी लगवाकर पानी की बर्बादी को तत्काल रोका जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पानी की समस्या को प्राथमिकता के साथ लेते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।

महापौर ने कहा कि शहर के ऐसे क्षेत्र जहां अब तक पाइपलाइन नहीं पहुंच पाई है, वहां जल्द से जल्द पाइपलाइन विस्तार की कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि नलों से दुष्चु पंप लगाकर अवैध रूप से पानी खींचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में पंप जप्त करने के साथ संबंधित नल कनेक्शन को काटा जाएगा और नियमानुसार जुर्माना भी वसूला जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल प्रबंधन को लेकर पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा वार्ड में किसी भी प्रकार की पानी की समस्या लंबित न रहे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

निगम द्वारा आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे पानी की बर्बादी न करें और जल संरक्षण में सहयोग प्रदान करें, ताकि सभी को समान रूप से जल उपलब्ध हो सके। महापौर ने कहा कि वर्तमान में गर्मी का मौसम प्रारंभ हो चुका है, इसे ध्यान में रखते हुए शहर के सभी वार्डों में नागरिकों को किसी भी प्रकार की जल समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

खास खबर

संयंत्र के एसएमएस-2 में नई चेतना जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस-2 के सभागार में विगत दिनों में सफाई कार्य में संलग्न महिला ठेका श्रमिकों के लिए ह्यनई चेतनाह्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला श्रमिकों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, कार्यस्थल पर सुरक्षा तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी के. डी. बघेल, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी आरके ठाकुर सहित कुल 15 महिला ठेका श्रमिकों की भागीदारी रही।

कार्यक्रम में कंसलटेंट (एनओएचएस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) शुभश्री प्रशांत ने महिला श्रमिकों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। वहीं उप प्रबंधक (एचआर,मिल्स जोन-1) सुश्री समायला अंसारी ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित प्रावधानों एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी देते हुए महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी (एचआर-सीओ एवं सीसीडी) प्रवीण कुमार शर्मा ने महिला श्रमिकों को न्यूनतम वेतन, बोनस, पीएफ, ईएसआईसी तथा भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा श्रमिकों के बच्चों के लिए संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन एचआर अधिकारी (स्टील जोन-2) सिकंदर इन्दोरिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से महिला श्रमिकों में जागरूकता एवं आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास किया गया।

180 सिविल डिफेंस वालेंटियर्स को मिला आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर सेना कार्यालय में केन्द्र शासन के निर्देशानुसार जिले में सिविल डिफेंस वालेंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया। कुल 360 वालेंटियर्स को प्रशिक्षित किया जाना है, जिसके अंतर्गत प्रथम बैच का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। जिला सेनानी नगर सेना कार्यालय द्वारा नागरिक सुरक्षा, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएँ द्वारा 14 मार्च 2026 से 20 मार्च 2026 तक 180 सिविल डिफेंस वालेंटियर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नागरिक सुरक्षा की जानकारी दी गई। साथ ही फायर फाइटिंग के अंतर्गत अग्निशमन यंत्रों का उपयोग कर आग बुझाने के तरीके सिखाए गए। फर्स्ट एड प्रशिक्षण में सीपीआर, पट्टियां बांधने जैसी जीवनरक्षक तकनीकों का अभ्यास कराया गया। इसके अलावा रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत आपात स्थिति में बचाव के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी गई। इस प्रथम बैच में कुल 180 वालेंटियर्स शामिल हुए, जिनमें 75 पुरुष और 105 महिलाएं थीं।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति आपदा के समय स्वयं, अपने परिवार तथा समाज की सुरक्षा के साथ राष्ट्र की सेवा भी कर सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण को अत्यंत आवश्यक बताते हुए सभी से गंभीरता और लगन के साथ इसे सीखने की अपील की। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आपदा और मुसीबत कभी भी अचानक आ सकती है, ऐसे समय में हर एक मिनट कीमती होता है। इसलिए प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही जानकारी को ध्यानपूर्वक सुनें, समझें और उसे अपनी डायरी में नोट करते रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को यह भी सलाह दी कि वे यहां सीखी गई बातों का नियमित अभ्यास करें और घर पर परिवार के सदस्यों के साथ भी प्रैक्टिस करें, ताकि जरूरत पड़ने पर सही तरीके से उसका उपयोग किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि जितना अधिक अभ्यास किया जाएगा, उतनी ही बेहतर तैयारी होगी और आपदा की स्थिति में प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सकेगा। कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगामी 15 अगस्त के अवसर पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा के समय प्रशिक्षित वालेंटियर्स के माध्यम से त्वरित और प्रभावी सहायता सुनिश्चित करना है, जिससे जन-धन की हानि को कम किया जा सके।

दुर्ग में महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की तैयारियां शुरू, पत्रिका लेखन व पूजन कार्यक्रम संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के शुभारंभ से पूर्व ऋषभ नगर स्थित जैन श्वेतांबर मंदिर उपाश्रय में महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का कुमकुम पूजन एवं पत्रिका लेखन का कार्य विधि-विधान से संपन्न हुआ। इस अवसर पर जैन समाज के वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा बड़ी संख्या में सकल जैन समाज के सदस्य शामिल हुए।

कार्यक्रम में ओसवाल पंचायत, सकल जैन समाज सहित जैन समाज के विभिन्न घटक दलों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता निभाई। आयोजन के दौरान पूरे वातावरण में हर्ष और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति दुर्ग के आह्वान पर शहर के दिगंबर एवं श्वेतांबर समाज के विभिन्न मंदिरों में पत्रिका लेखन के पश्चात आमंत्रण पत्रिका को परमात्मा के चरणों में अर्पित किया गया। इसके बाद समाज के सभी घरों में पत्रिका वितरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

आज जिन प्रमुख मंदिरों में आमंत्रण पत्रिका अर्पित की गई, उनमें आदिनाथ जैन मंदिर गांधी चौक, दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, ऋषभदेव श्वेतांबर मंदिर, शीतलनाथ जैन दिगंबर मंदिर, महावीर जैन दिगंबर मंदिर (स्टेशन रोड), दिगंबर जैन मंदिर पदमनाभपुर एवं आदिनाथ जैन दिगंबर मंदिर जिन कुशल दादावाड़ी (मालवीय नगर) शामिल हैं। यहां संस्था के सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक पत्रिका भगवान के चरणों में समर्पित की। महोत्सव समिति के प्रचार-प्रसार प्रमुख नवीन संचेती ने बताया कि आगामी दिनों में महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव को भव्य रूप से मनाने की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं।

देवेंद्र यादव के भिलाई बचाओ पदयात्रा में शामिल हुए अरुण वोरा, जनहित के मुद्दों पर जताया समर्थन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जनहित के अहम मुद्दों को लेकर स्टील सिटी भिलाई में कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव के नेतृत्व में रविवार को 'भिलाई बचाओ' मौन पदयात्रा निकाली गई। सिविक सेंटर से प्रारंभ होकर सेक्टर-4 तक पहुंची इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में नागरिकों की भागीदारी रही।

पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा रिटेंशन धारकों के किराए में की गई वृद्धि सहित विभिन्न जनसमस्याओं के खिलाफ जनआवाज को मुखर करना रहा। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा भी पदयात्रा में शामिल हुए और आंदोलन को अपना समर्थन दिया। मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि देवेंद्र यादव द्वारा भिलाई की अस्मिता, अधिकारों और जनभावनाओं की रक्षा के लिए किया जा रहा यह सतत संघर्ष न केवल सराहनीय, बल्कि अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भिलाई सत्याग्रह उपवास के माध्यम से जिस दृढ़ता के साथ प्रशासन को जनहित में चेताया गया, वह जनप्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है और वर्तमान पदयात्रा उसी संकल्प का विस्तार है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस इस जनआंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। प्रशासन को अब कुंभकर्णी निद्रा से जागते हुए जनाकांक्षाओं का सम्मान करना होगा। भिलाई की अस्मिता से कोई समझौता नहीं होगा और इसे किसी भी कीमत पर बिकने नहीं दिया जाएगा, उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा।

अंतिम लीग मैच में छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश 1-1 गोल की बराबरी पर रही

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित अस्मिता वेस्ट जोन हॉकी प्रतियोगिता के तीसरे दिन का पहला मैच मेजबान छत्तीसगढ़ विरुद्ध हॉकी मध्यप्रदेश के मध्य खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों ही टीम 1-1 गोल की बराबरी पर रही। छत्तीसगढ़ की ओर से सबसे पहले रिया खलको ने मैच के 41वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, इस स्कोर का पीछा करते हुए मध्प्रदेश ने मैच 45 वे मिनट उसकी खिलाड़ी नौसीन नाज के हाथों किए गए गोल की बदौलत बराबरी पर लाया, अंतिम मिनट तक स्कोर 1-1 की बराबरी पर था।

राउंड रॉबिन पद्धति से खेले जा रहे मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने पहला स्थान प्राप्त किया वहीं मेजबान छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर रही। दोनों ही टीमों ने24 मार्च को होने वाले अस्मिता हॉकी लीग के फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल मैच नाक आउट पद्धति से खेला जाएगा।

मैच के पूर्व उपस्थित अतिथियों ने मैदान के मध्य जाकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभकामनाएं दी। आज के मैच में प्रिया दुबे,अनामिका शर्मा,राजवीर कौर,कुलदीप कौर, खुशबू सिसोदिया,अमृता सेन,पिंकी नायक,ईशानी पटेल ने निर्णायक व तकनीकी

अधिकारी की भूमिका निभाई वहीं वंदन रघुवंशी टेक्निकल डेलीगेट के रूप में उपस्थित थीं। मैच में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ हॉकी अध्यक्ष फिरोज अंसारी, वरिष्ठ हाकी खिलाड़ी विद्या विलाश श्रीवास्तव, जिला सचिव ,शिवनारायण धकेता अंतर्राष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, श्नीलम चंद जैन, भूषण साव, साई के प्रबंधक के सी त्रिपाठी,पंकज पांडे, छोटेलाल रामटेके, पार्षद सुश्री आशा थामस, महबूब कुरैशी, चंदन भारद्वाज, शकील अहमद, दिग्विजय श्रीवास्तव, किशोर धीवर, शिवा चौबे,दिलीप रावत, योगेश द्विवेदी, सचिन खोबरागड़े, अभिनव मिश्रा, हारून खान,अनीशा साहू, खुशाल यादव, सुखदेव निर्मलकार, कार्तिक यादव, कृष्णा यादव उपस्थित थे।

शहर के झूलेलाल मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वरुणदेव भगवान झूलेलाल जी की जयंती शुक्रवार को सिंधी समाज द्वारा पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सिंधी कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में सुबह से ही भगवान झूलेलाल और बाराणा साहेब के दर्शन के लिए सिंधी समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों का तांता लगा रहा। लोगों ने यहां भगवान झूलेलाल के भजनों पर नाच गाकर अपनी आस्था-भक्ति प्रकट की। जनप्रतिनिधि भी दर्शन के लिए झूलेलाल मंदिर पहुंचे।

उन्होंने दर्शन कर भगवान झूलेलाल से शहर की सुख समृद्धि एवं खुशियाली के लिए कामना की। इस अवसर पर शादाणी युवा मंडल द्वारा सिंधी कॉलोनी स्टेशन रोड में प्रसाद एवं शरबत का वितरण किया गया। प्रसाद एवं शरबत ग्रहण करने यहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी। प्रसादी व शरबत वितरण में शदाणी युवा मंडल के अध्यक्ष राजू पाहुजा, अमर बख्तियार, दर्शन किंगरानी, मुकेश मोहनानी, रवि शादीजा, विक्रम अंदानी, जितेन्द्र बत्रा, दिलीप अंदानी, सोना मोहनानी, सर्वानंद पंजवानी, अनिल बदानी,नानक मेघवानी, रोशन गणेशानी, नरेश हितलानी, हीरा जसवानी, अजित खत्री, मनीष मंगलानी, राम रबानी एवं अन्य सदस्यों ने सेवा दी, वहीं पूज्य सिंधी जनरल पंचायत और सिंधुड़ी सेवा समिति ने सिंधी धर्मशाला में भंडारा का आयोजन किया। जहां सिंधी समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। महाप्रसाद वितरण के दौरान पूज्य सिंधी जनरल पंचायत, सिंधुड़ी सेवा समिति के पदाधिकारी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। सिंधी समाज द्वारा शाम को बाराणा साहेब की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ सिंधी कॉलोनी से प्रारंभ होकर पोलसायपारा, इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैण्ड पहुंची। शाम को शिवनाथ नदी घाट में दीपों से महाआरती का आयोजन किया गया। जहां महाआरती उपरांत बाराणा साहेब का विसर्जन किया गया। शोभायात्रा का पूरे रास्तेभर सिंधी समाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान प्रसादी व शरबत वितरण कर भगवान झूलेलाल जयंती की खुशियां मनाई गई।

पोलसायपारा लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास कोटवानी परिवार द्वारा शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल लोगों को शरबत बांटे गए। शरबत वितरण में अमर कोटवानी, सिद्धु कोटवानी, कोटवानी परिवार के अन्य सदस्यों के अलावा चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश मंत्री अशोक राठी, दुर्ग अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष प्रहलाद रुंगटा, कैट चेयरमैन पवन बड़जात्या व अन्य व्यापारियों ने सेवाएं दी। शोभायात्रा में पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर आर एन वर्मा, शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, महापौर अलका बाघमार, पूर्व सभापति राजेश यादव,

एमआईसी सदस्य नीलेश अग्रवाल, शेखर चंद्राकर, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, जिला भाजपा प्रवक्ता नितेश साहू, कांग्रेस नेता दीपक दुबे, ब्लॉक अध्यक्ष आनंद देव ताम्रकार, सुमित घोष, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष आसनदास मोहनानी सचिव शंकर गणेशानी, झूलेलाल सेवा मंडल अध्यक्ष विक्रम सचदेव, जगदीश सवानी, महेश गणेशानी, डॉ. श्यामदास राजपाल, किशन आहुजा, हशमराम, पूर्व पार्षद नरेश तेजवानी, वासुदेव गोदवानी, मोहनलाल केसवानी, अटल गोदवानी, रवि केवलतानी, हरिशचंद्र सचदेव, राम रबानी, मोती राजपाल,लालाराम मेधवानी, मनीष सचदेव, संजय थडवानी, विजय थडवानी, हीरा मधनानी, चंदर जे कुकरेजा, सुमीत कुकरेजा, राजा खत्री के अलावा सिंधी समाज के महिलाएं व पुरुष बड़ी संख्या में शामिल हुए।

विधायक चंद्राकर के नेतृत्व में यादव समाज ने देखी विस की कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र यादव समाज के जनप्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ विद्यानसभा की कार्यवाही देखी। इस दौरान उन्होंने कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा से मुलाकात भी की।

विधायक ललित चंद्राकर ने यादव समाज के जनप्रतिनिधियों को विधानसभा की कार्यवाही के बारे में जानकारी दी और उनके साथ क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा की। जनप्रतिनिधियों ने विधायक के साथ विधानसभा की कार्यवाही को देखा और सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। विधायक चंद्राकर ने कहा, "हमारा उद्देश्य है कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाना और उनका समाधान करना है और अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचना है। विधान सभा भ्रमण करने वाले में गुलेंद्र यादव,नरेंद्र यादव, उमाशंकर यादव, दिनेश कुमार यादव, ईश्वरी यदु, राजेंद्र यादव, कृष्ण यादव, महेश यादव, मनोज यादव, दौलत यादव, प्रेमनारायण यदु, रविंद्र कुमार यादव, सत्येंद्र यादव, धर्मेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

राजधानी रायपुर में नव सृजन मंच ने किया 151 बेटियों के माता-पिता का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था नवसृजन मंच द्वारा बिटिया जन्मोत्सव का आयोजन किया गया 10 दिन से लेकर 6 माह तक की बिटिया गोद में लिए माता पिता सम्मान समारोह में पहुंचे।सामाजिक संस्था नवसृजन मंच द्वारा आयोजित बिटिया जन्मोत्सव आयोजन के अंतर्गत 151 बेटियों के माता पिता का सम्मान किया गया संस्था नवसृजन द्वारा बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करने पिछले 12 वर्षों से यह आयोजन संस्था करती आ रही है जिसमे अब तक हजारों परिवारों को इस आयोजन के अन्तर्गत सम्मानित किया जा चुका है।

वृंदावन हाल सभागार में सम्पन्न हुए आयोजन में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वर्णिका शर्मा अध्यक्ष बाल अधिकार संरक्षण आयोग, अमरजीत सिंह छाबड़ा अध्यक्ष राज्य अल्पसंख्यक आयोग, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आई पी एस चंचल तिवारी, समाजसेवी नीतू सिंह, उपस्थित रही नवसृजन मंच के इस अभिनव कार्यक्रम की सराहना करते हुए वर्णिका शर्मा ने कहा की बेटियों को सम्मानित करना पवित्र नवरात्र में कन्या पूजन करना अपने आप में अद्भुद है सभागार में 6 माह से भी छोटी बच्चियों की किलकारी को मधुर संगीत बताते हुए कहा की एक साथ इतनी नन्ही माताओं की किलकारी सुनना भी एक अलग अनुभूति का एहसास कराता है ऐसे आयोजन बहुत ही कम देखने मिलते है जहां

एक तरफ बेटियो के जन्म को लेकर आज भी लोग चिंतित हो उठते है वैसे में यह आयोजन एक प्रेरणा देता है।

ऐसे आयोजन को प्रत्येक शहर में किया जाना चाहिए अध्यक्षीय भाषण में संस्था के अध्यक्ष और अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा की विगत 12 वर्षो से यह आयोजन किया जा रहा है साथ ही संस्था की वर्षभर की गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया 6 माह से भी कम उम्र की 151 बेटियो की किलकारी से सभागार गुंजायमान था जिसमे 10 दिन से लेकर 6 माह तक की बेटियां नवरात्र में माता स्वरूप में उपस्थित थी कार्यक्रम के आरम्भ में सर्वप्रथम कन्या पूजन कर 151 बेटियों की आरती की गई, मा दुर्गा का स्वरूप धारण की हुई नन्ही बच्ची जसलीन कौर हाथो में त्रिशूल थामे विशेष आकर्षण का केंद्र रही सभी 151 नन्ही बच्चियों को माता की चुनरी ओढाई गई और उनकी आरती उतारी गई।

आहार विशेषज्ञ डॉ. सारिका श्रीवास्तव ने आहार और पोषण सम्बंधित जानकारी देते हुए कहा की बच्चे के जन्म के बाद अक्सर माँ अपने आहार को लेकर उतनी गम्भीर नही रहती उन्होंने आहार पोषण को लेकर लापरवाही न बरत खान पान पर विशेष गौर करने की बात कही में संस्था द्वारा 151 बेटियों के माता पिता को बेटियों का जन्म उनके लिए गौरव का विषय है यह भाव लिए सम्मानपत्र दिया गया साथ ही बेबी किट जिसमे बच्ची के लालन पालन की वस्तुएं फ्रॉक साबुन पावडर खिलौने बच्चो की मच्छर दानी और अन्य वस्तुए थी दी गई साथ ही बेटियों को लेकर सरकार की विभिन्न योजनाओं के स्टाल जैसे सुकन्या योजना, नोनी योजना, मातृत्व समृद्धि योजना के स्टाल लगाए महिला एवं बाल विकाश के सहयोग से लगाए गए साथ ही पोस्ट आफिस शाखा द्वारा छोटी बच्चियों का आधार कार्ड भी शिविर लगाकर बनाया गया साथ ही अन्य योजनाओं की जानकारी भी उन तक पहुचाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम का संचालन कांतिलाल जैन, और डा प्रीति सतपथी ने संयुक्त रूप से किया इस अवसर पर संस्था नवसृजन मंच के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. देवाशीष मुखर्जी,किशोर महानंद, कांतिलाल जैन मनीषा सिंह, पदमा शर्मा, डॉ प्रीति सत्पथी, डा रश्मि चावरे विनय शर्मा, नरेश नामदेव , मनोज जैन, अंजलि देशपांडे, खुशबू शर्मा, निधि झा, शकुंतला श्रीवास, सुनीता पाटक, नूपुर पांचाल, शशि यादव प्रीति दास मिश्रा, सुकृत आलोक शर्मा सहित संस्था के सदस्यगण उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत मे कन्या भोज सम्पन्न हुआ जिसमें प्रसाद स्वरूप चना पूड़ी और हलवे का प्रसाद भी वितरित किया गया।

खास खबर

विश्व गौरैया दिवस पर वेबीनार आयोजित : संरक्षण के लिए जागरूकता पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर 20 मार्च को छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के मार्गदर्शन में एक वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों, पक्षी मित्रों, पैराटैक्सोनॉमिस्ट, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकों तथा छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वेबीनार के संयोजक मातेश्वरन व्ही. सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं राज्य वेटलैंड प्राधिकरण ने अपने उद्बोधन में गौरैया की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गौरैया संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। साथ ही, उन्होंने प्रतिभागियों से इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करने और बोर्ड के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. हितनारायण टंडन, सहायक प्राध्यापक, संत गुरु घासीदास शासकीय पीजी महाविद्यालय, कुरूद ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से गौरैया की घटती संख्या के कारणों, सुरक्षा उपायों एवं संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। द्वितीय वक्ता के रूप में श्री जागेश्वर वर्मा, ई-बर्ड (छत्तीसगढ़) के रिव्यूअर ने गौरैया के लिए अनुकूल आवास विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शहरीकरण के प्रभावों को कम करने और पक्षियों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने के उपाय बताए। वेबीनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विशेषज्ञों ने समाधान भी किया।

विश्व गौरैया दिवस हर साल 20 मार्च को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य शहरीकरण और प्रदूषण के कारण तेजी से विलुप्त हो रही गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन इस नन्हीं चिड़िया के महत्व और पर्यावरण में उसकी भूमिका को रेखांकित करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य गौरैया संरक्षण के प्रति जन- जागरूकता बढ़ाना तथा जैव विविधता संरक्षण से जुड़ी शासकीय पहल को मजबूत करना रहा। गौरैया की घटती आबादी की ओर ध्यान आकर्षित करना और उनके लिए अनुकूल माहौल (दाने-पानी की व्यवस्था) बनाना।

विकास के पर्याय बने सांसद अग्रवाल लाखों के विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर में हमने 1000 से अधिक सामुदायिक भवनों का बिछाया जाल – अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विकास के पर्याय बने सांसद बृजमोहन अग्रवाल, लाखों के विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। राजधानी के चहुंमुखी विकास और जन-सुविधाओं के विस्तार हेतु संकल्पित वरिष्ठ भाजपा नेता एवं लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 13 एवं 28 में सांसद निधि से होने वाले 35 लाख की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

देवेंद्र नगर स्थित गुजराती ब्रह्म समाज दयाभवन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अग्रवाल ने शिलापट्ट का अनावरण कर कार्यों की आधारशिला रखी। इन विकास कार्यों के तहत प्रमुख रूप से दयाभवन में द्वितीय तल पर अतिरिक्त भवन निर्माण, बालाजी विद्या मंदिर स्कूल परिसर में सांस्कृतिक गतिविधियों हेतु आधुनिक भवन का निर्माण और मंडी कॉलोनी, लोधी पारा स्थित लोधी भवन में सामाजिक कार्यक्रमों हेतु अतिरिक्त कक्ष का निर्माण किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते

हुए बृजमोहन अग्रवाल ने अपने चार दशकों के जनसेवा के सफर को याद किया। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 40 वर्षों में रायपुर में हमने 1000 से अधिक सामुदायिक भवनों का जाल बिछाया है। मेरा लक्ष्य केवल ईंट-गारे की दीवारें खड़ा करना नहीं, बल्कि इन भवनों को जीवंत बनाना है। अब समय आ गया है कि इन भवनों का उपयोग सिलाई, कंप्यूटर प्रशिक्षण और स्किल डेवलपमेंट जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के लिए हो, ताकि हमारी माताएं-बहनें और युवा आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने यहां कंप्यूटर क्लास शुरू करने के लिए 5 लाख रुपए अतिरिक्त देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में विधायक, रायपुर उत्तर पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, सभापति, नगर निगम सूर्यकांत राठौर, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, पार्षदगण महेंद्र खोडियाड एवं अवतार बादल, गुजराती ब्रह्म समाज अध्यक्ष कीर्ति भाई व्यास सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। उपस्थित जनसमूह ने सांसद अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें विकास पुरुष के रूप में सराहा, जिन्होंने निरंतर रायपुर की अधोसंरचना को नई ऊंचाई प्रदान की है।

निगम अपर आयुक्त ने इंटेकवेल और खारून पम्प हॉउस का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार नगर निगम अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू द्वारा इंटेकवेल स्थित सागर , सरिता ,नीर क्षीर एवं खारुन पंप हाउस से रॉ वाटर पंपों का निरीक्षण कर संचालित पंपों की क्षमता , संचालन की स्थिति , सभी सब स्टेशन 33 के वी/11के वी की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस दौरान नगर निगम कार्यपालन अभियंता जल नर सिंह फरेन्द्र सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी और कर्मचारीगण की इंटेकवेल में उपस्थिति रही।

नगर निगम अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू द्वारा सभी पंपों तथा मोटर इत्यादि का मेंटेनेंस ग्रीष्म ऋतु में कोई दिक्कत न हो, इसलिए सभी पार्ट्स तथा पूर्व से सर्विसिंग करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अपर आयुक्त ने नदी में जल संसाधन विभाग से प्राप्त हो रहे कच्चे जल का लेवल प्रतिदिन मॉनिटर कर विभाग से समन्वय बनाने के निर्देश दिए।

चला सफाई अभियान

नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 स्वास्थ्य विभाग के सफाई मित्रों ने जेसीबी मशीन की सहायता से समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से नगर निगम जोन 8 अंतर्गत माधव राव सप्रे वार्ड 69 अंतर्गत गदही तालाब के किनारे फैले हुए कचरे को एकत्र कर तत्काल उठाकर स्वच्छता कायम करते हुए जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु विशेष सफाई अभियान ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर से सम्बंधित लगभग 20 स्वयंसेवकों की सहायता से रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 के जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर एवं माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के पार्षद महेन्द्र औसर एवं नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन और स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की स्थल पर उपस्थिति में चलाया गया।

सरोवर की स्वच्छता के प्रति जन - जन को जागरूक बनाने अभियान चलाकर और सरोवर में गन्दगी और कचरा नहीं फेंकने और गन्दगी नहीं फैलाने की विनम्र अपील करते हुए जन -जन को स्वच्छ सरोवर का सकारात्मक सन्देश दिया।

अवैध रूप से गैस सिलेंडर के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) मयंक गुर्जर (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) आकाश मरकाम तथा सहायक पुलिस आयुक्त उरला पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में नार्थ जोन क्षेत्रान्तर्गत थाना प्रभारियों को अवैध रूप से कार्य करने वालो के विरुद्ध सख्त कार्यवाही निर्देशित किया गया है।

इसी क्रम में थाना खमतराई को सूचना प्राप्त हुई की बंजारी मंदिर के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से भारी मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर रखा हुआ है की सूचना पर मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश देकर आरोपी संजय साव पिता उमेश साव उम्र 30 वर्ष निवासी संतोष किराना स्टोर पार्किंग नंबर 1 ट्रांसपोर्ट नगर रावाभाटा रायपुर को पकड़ कर अपने पास रखे घरेलू गैस सिलेंडर के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत करने कहने पर कोई भी वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर आरोपी के कब्जे से कुल 16 नग इंडियन घरेलू गैस सिलेंडर के संबंध में खाद्य विभाग को पत्राचार कर अवगत कराया जायेगा। इस्तगासा क्रमांक 03/ 26 धारा 106 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गई, आरोपी द्वारा अवैध रूप से रखे कुल 16 नग इंडियन घरेलू गैस सिलेंडर कीमती 64000 जप्त कर थाना खमतराई में

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर हर्बल सेक्टर की भूमिका पर हुई संगोष्ठी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा '2047 के विकसित छत्तीसगढ़ लक्ष्य को पूरा करने में हर्बल सेक्टर की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बोर्ड कार्यालय के सभागार, राज्य वन अनुसंधान परिसर , जीरो पॉइंट,रायपुर में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जेएसीएस राव ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन की योजनाओं का लाभ लेकर औषधीय पौधों की खेती अपनाई जा सकती है, जिससे आय में वृद्धि के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने युवाओं एवं आम नागरिकों से हर्बल सेक्टर में आगे आकर 'विकसित छत्तीसगढ़-2047' के लक्ष्य की प्राप्ति में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया ।

संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, हर्बल सेक्टर में स्टार्टअप शुरू करने के इच्छुक युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई तथा संबंधित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से औषधीय पौधों के संरक्षण, औषधि पौधा संरक्षित क्षेत्रों की अवधारणा तथा टिश्यू कल्चर तकनीक से पौधों के संवर्धन की जानकारी दी गई।

इसके साथ ही विभिन्न औषधीय एवं सुगंधित पौधों की वैज्ञानिक खेती के तरीकों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। संगोष्ठी में पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. कमलेश कुमार शुक्ला ने औषधीय पौधों में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों (माइक्रोब्स) की भूमिका एवं उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में उपयोगिता पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

बाल मैत्री पहल से बच्चों का सफर हुआ आसान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में बच्चों के समग्र विकास और सहज शिक्षा वातावरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल 'बाल मैत्री (Buddy Buddy)' कार्यक्रम के रूप में सामने आई है। महिला एवं बाल विकास विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई यह पहल आंगनबाड़ी से प्राथमिक विद्यालय तक बच्चों के संक्रमण को सरल और सहज बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हो रही है।

जीवन के प्रारंभिक छह वर्ष बच्चों के मस्तिष्क और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को खेल-खेल में प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है, लेकिन जब वे पहली बार विद्यालय के औपचारिक वातावरण में प्रवेश करते हैं, तो अक्सर झिझक और संकोच महसूस करते हैं। इसी चुनौती को दूर करने और बच्चों को विद्यालय के माहौल से पहले ही परिचित कराने के उद्देश्य से 'बाल मैत्री (Buddy Buddy)' कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 4 से 6 वर्ष आयु वर्ग के आंगनबाड़ी बच्चों को हर माह निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण कराया जा रहा है। भ्रमण के दौरान बच्चों को विद्यालय परिसर, शिक्षक और विद्यार्थियों से परिचित कराया जाता है तथा खेल, गीत, चित्रकला और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से उनके बीच मित्रता और आत्मविश्वास विकसित किया जाता है। इससे बच्चों में स्कूल के प्रति सकारात्मक भाव विकसित हो रहा है और वे बिना डर और झिझक के विद्यालय में प्रवेश के लिए तैयार हो रहे हैं।

कार्यक्रम के तहत 20 मार्च को पूरे प्रदेश में एक साथ आंगनबाड़ी बच्चों का विद्यालय भ्रमण कराया गया। इस दौरान प्रदेशभर के विद्यालयों में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। छोटे बच्चों का विद्यालय में आत्मीय स्वागत किया गया और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने मिलकर बाल-अनुकूल गतिविधियाँ आयोजित कीं। बच्चों ने नए मित्र बनाए और विद्यालय को अपनेपन के साथ अपनाया। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित मुख्य सचिव सम्मेलन में दिए गए निर्देशों के अनुरूप शुरू की गई है, जिसमें आंगनबाड़ी और विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया था। छत्तीसगढ़ शासन ने इन निर्देशों को प्रभावी रूप से लागू करते हुए दोनों विभागों के सचिवों द्वारा संयुक्त दिशा-निर्देश जारी कर कार्यक्रम को प्रदेशभर में लागू किया है।

'बाल मैत्री (Buddy Buddy)' कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित करना, विद्यालयों में सकारात्मक और समावेशी वातावरण तैयार करना तथा प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाना है। यह पहल बच्चों के भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को नई दिशा दे रही है। छत्तीसगढ़ में शुरू की गई यह अभिनव पहल न केवल बच्चों के लिए विद्यालय को सहज और आनंददायक बना रही है, बल्कि बाल शिक्षा और विकास के क्षेत्र में एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में भी उभर रही है। आने वाले समय में यह कार्यक्रम बच्चों की नियमित उपस्थिति, सीखने की क्षमता और आत्मविश्वास को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

1 अप्रैल 2026 से दुर्ग से रायपुर खारून नदी ब्रिज एक माह के लिए मरम्मत कार्य के लिए रहेगा बंद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-53 दुर्ग रायपुर पर कुम्हारी टोल खारुन नदी पर पुल /ब्रिज का 1 अप्रैल 2026 से मरम्मत कार्य प्रारंभ किया जाना है जिसमे लगभग एक महीने का समय लगना संभावित है। नेशनल हाईवे 53 कुम्हारी टोल के पास खारून नदी ब्रिज जिला दुर्ग को रायपुर से जोड़ने हेतु मुख्य मार्ग है जहां प्रतिदिन लगभग डेढ़ लाख छोटे बड़े वाहनों की आवाजाही रहती है, काफी संख्या में लोग दुर्ग से रायपुर प्रतिदिन आवागमन करते हैं ब्रिज के मरम्मत कार्य से ट्रैफिक आवागमन में ब्रिज के दोनों तरफ लंबी कतार, जाम लगना संभावित है। लोगों की सुविधा हेतु निम्न स्थानों पर यातायात डायवर्सन कराया जाएगा।

दुर्ग से रायपुर की ओर डायवर्सन प्लान

रायपुर एयरपोर्ट, नया रायपुर,

मंत्रालय,पुलिस मुख्यालय, आरंग, अभनपुर की ओर आने वाले वाहन चालक सेलूद -पाटन - अभनपुर मार्ग का उपयोग करें। दुर्ग भिलाई रिसाली उतई से रायपुर आने वाले वाहन चालक सेलूद फूंडा—जामगांव—मोतीपुर— अमलेश्वर— से रायपुर आने वाले मार्ग का उपयोग करें। चरोदा कुमारी भिलाई 3 से रायपुर की ओर आने वाले वाहन चालक सिरसा गेट- मोतीपुर —अमलेश्वर —से रायपुर मार्ग का उपयोग करें। कुम्हारी अहिरवार से रायपुर आने वाले वाहन चालक कुम्हारी —उरला — खमरिया अमलेश्वर मार्ग का उपयोग करें। कुम्हारी टोल से रायपुर की ओर आने वाले वाहन चालक कुमारी टोल बाद चन्दनीडीह तक वन वे मार्ग का उपयोग करें।

इसी तरह रायपुर से दुर्ग जाने वाले वाहन चालक जैसे कार चालक एवं बाइक चालक चन्दनीडीह ग्राम से लेफ्ट होकर पुराना रपटा/ पुल का प्रयोग कर कुम्हारी टोल तक जा सकेंगे। रायपुर से दुर्ग की ओर जाने वाले कार एवं मोटरसाइकिल भटगांव से अमलेश्वर मोतीपुर होकर दुर्ग /रायपुर से अमलेश्वर मोतीपुर होकर भिलाई एवं दुर्ग जाने इस मार्ग का उपयोग करे। सभी वाहन चालकों से अपील है कि परिवर्तित मार्ग का अधिक से अधिक उपयोग करें, एवं आवश्यक कार्य जैसे एयरपोर्ट हॉस्पिटल रेलवे स्टेशन प्रतियोगी परीक्षाएं, अन्य परीक्षाएं आदि के लिए रायपुर आने वाले उक्त वाहन चालक रिपेयरिंग कार्य के दौरान अतिरिक्त समय लेकर रायपुर की तरफ आना सुनिश्चित करें।

संपादकीय

सरकारी व्यवस्था पर कम हुआ भरोसा बढ़ेगा

एक सरकार की गलतियों के कारण सरकारी व्यवस्था पर राज्य के लोगों का,राज्य के युवाओं का भरोसा कम हो जाता है तो यह बद से बदतर स्थिति होती है ऐसे में राज्य में ली जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं का कोई मतलब नहीं रह जाता है। कई लोग बिना मेहनत, पहुंच व पैसे के बल पर प्रतियोगी परीक्षा में पास हो जाते है या पास कर दिए जाते हैं तो प्रतियोगी परीक्षा के लिए दिन रात मेहनत करने वाले युवाओं को बहुत निराशा होती है।उनकी मेहनत व योग्यता का कोई मतलब नही रह जाता है। राज्य में जब भी प्रतियोगी परीक्षा होती और उसमें जो लोग पास होते हैं माना यही जाता है कि वह गड़बड़ी करके पास हुए हैं, पैसे व पहुंच के बल पर पास हुए हैं।जब इसे सरकार रोकने का प्रयास नही करती है तो माना जाता है कि सरकार के लोग ही इसके पक्ष में हैं, सरकार भी इसके पक्ष में है।जब सीएम से शिकायत की जाए कि प्रतियोगी परीक्षा में गड़बड़ी हुई तो सीएम शिकायत करने वालों से सबूत मांगे तो युवाओं को बहुत निराशा होती है।

ऐसे में राज्य के लोग ऐसी सरकार व ऐसी सीएम को चुनाव आता है तो बदलने का मन बनाते हैं और बदल कर संदेश देते हैं कि उन्हें ऐसी सरकार व व्यवस्था नहीं चाहिए जहां प्रतियोगी परीक्षा में वही पास हों जिनकी पहुंच है या जिनके पास पैसा है। पुरानी सरकार की जगह जब नई सरकार आती है तो उसे पता रहता है कि जनता ने पुरानी सरकार को क्यों बदला और वह नई सरकार से क्या चाहती है। ऐसे में नई सरकार के लिए जरूरी हो जाता है कि वह राज्य के युवाओं व राज्य के लोगों के प्रतियोगी परीक्षा के रिजल्ट पर कम हो रहे भरोसे को बनाने के लिए कोई उपाय करे। इसकी शुरुआत साय सरकार ने पीएससी में हुए भ्रष्टाचार की जांच करा कर की है और कई लोगो की गिरफ्तारी हुई है। जांच से ही पता चला कि पीएससी की परीक्षा में कैसे गड़बड़ी की गई है। इससे ही सरकार को पता चला कि भविष्य में गड़बड़ी रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए।

साय सरकार ने यह व्यवस्था की कि यदि पीएससी की परीक्षा में पीएससी परीक्षा लेने वाले प्रमुख लोगों के घर के या परिवार के कोई परीक्षा दे रहे है तो उनको पद से हटाया जाएगा यानी वह खुद ही पद पर नही रहेगा। क्योंकि बड़े पद पर रहने वालों ने ही अपने परिवार के लोगों को पीएससी में पास कराने के लिए सारी गड़बडी की थी। इसके बाद कानून बनाकर दंड की व्यवस्था करना भी जरूरी था इसलिए साय सरकार ने विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन सार्वजनिक परीक्षाओं में होने वाली धांधली व गड़बड़ी रोकने लिए विधेयक-26 लाया गया है। नए कानून के तहत लोक सेवा प्राधिकरण का गठन होगा जो प्रतियोगी परीक्षाओं की मानिटरिंग करेगा। नए कानून के तहत यदि कोई संस्थान,प्रबंधन या सेवा प्रदाता प्रश्नपत्र लीक करता है या धोखाधड़ी में लिप पाया जाता है तो उस पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना व दस साल की सजा हो सकती है। विधेयक में परीक्षार्थियों के लिए भी गाइड लाइन तय की गई है।अगर कोई छात्र परीक्षा में नकल करता हुआ पकड़ा जाता है तो उसका रिजल्ट रोक दिया जाएगा और एक से तीन साल तक सरकारी परीक्षा में शामिल होने पर बैन कर दिया जाएगा।

सीएम साय ने कहा है कि उनकी सरकार ने सत्ता में आते ही परीक्षा व्यवस्था में व्याप्त गड़बड़ियों पर कराया प्रहार किया। पीएससी घोटाले में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की गई। धांधली करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने के लिए जांच सीबीआई को सौंपी गई। सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में शतप्रतिशत पारदर्शिता तय करने और अभ्यर्थियों के हित में कई अहम फैसले किए गए। इसी कड़ी में यह नया विधेयक लाया गया है। इसके माध्यम से भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार व धांधली को समाप्त किया जाएगा।इस कानून के लागू होने के बाद अब कोई भी व्यक्ति युवाओं के सपने से खिलवाड़ नही कर सकेगा और मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को उनका उचित अधिकार मिलेगा। अब स्पष्ट व कठोर प्रावधानों के कारण नकल गिरोह,पेपरलीक करने वालों तथा फर्जी अभ्यर्थियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकेगी।

किसी पार्टी का शिखर पुरुष जैसा होता है, वह जैसा काम करता है, उससे राज्य में नेतृत्व को वैसा काम करने की प्रेरणा मिलती है। पीएम मोदी ने दस सालो में कई क्षेत्रों में पिछले कई दशकों में जो सुधार नहीं हुए थे वह सुधार किए है और देश में कई क्षेत्रों की व्यवस्था को पारदर्शी बनाया है, बेहतर बनाया है इससे लोगों को भ्रष्टाचार मुक्त सुविधाएं मिल रही है।केंद्र में पीएम मोदी के सुधारों से प्रेरित होकर छत्तीसगढ के सीएम साय ने भी राज्य मे कई क्षेत्रों में सुधार के काम किए हैं और उसका रिजल्ट भी आने वाले समय में देखने को मिलेगा। साय सरकार ने पिछली सरकार की गलतियों से सबक लिया है और हर क्षेत्र में सुधार का काम किया है ताकि उनकी सरकार की तुलना जब पिछली सरकार से हो तो लोगों को साफ दिखाई दे कि यह सरकार वैसी कोई गलती नहीं कर रही है जैसी गलतियां पिछली सरकार के समय हुई थीं।

आर्थिक संबल से आत्मविश्वास तक, सशक्त हो रही की महिलाएं

डॉ. दानेश्वरी संभाकर उपसंचालक जनसंपर्क/ रायपुर

किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तब मानी जाती है जब उसकी महिलाएं सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने लगें। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना इसी दिशा में एक ऐतिहासिक और संवेदनशील पहल बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह योजना आज लाखों महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास, आर्थिक संबल और नई उम्मीदों का संचार कर रही है।

महतारी वंदन योजना केवल हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सपनों को पंख देने, उनके आत्मसम्मान को मजबूत करने और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम बन गई है। प्रदेश के गांव-गांव से ऐसी प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं, जो बताती हैं कि छोटे-छोटे आर्थिक सहयोग से भी बड़े सामाजिक बदलाव संभव हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बस्तर में आयोजित वृहद महतारी वंदन कार्यक्रम के दौरान कई महिलाओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से वर्चुअल संवाद कर अपने जीवन में आए बदलाव साझा किए। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्राम खोडरी की श्रीमती अनीता साहू ने बताया कि पहले आर्थिक कठिनाइयों के कारण परिवार चलाना मुश्किल था, लेकिन योजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और 'अनीता सिलाई सेंटर' शुरू किया। आज वे सिलाई, खेती और मजदूरी के माध्यम से

अपने परिवार को बेहतर जीवन दे रही हैं। उनका यह सफर संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक की प्रेरक कहानी बन गया है।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की श्रीमती मिथलेश चतुर्वेदी ने भी अपने जीवन का भावुक अनुभव साझा किया। पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। ऐसे कठिन समय में महतारी वंदन योजना ने उन्हें आर्थिक संबल दिया और उन्होंने ई-रिक्शा खरीदकर आजीविका का नया रास्ता चुना। आज वे आत्मसम्मान के साथ अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं और समाज में आत्मनिर्भर महिला की पहचान बना चुकी हैं।

कोरिया जिले की ग्राम डुमरिया निवासी श्रीमती बाबी राजवाड़े बताती हैं कि खेती-किसानी में मिलने वाली मासिक राशि उनके लिए बड़ी मदद साबित हो रही है। बीज, खाद और अन्य कृषि जरूरतों को पूरा करना अब पहले की तुलना में आसान हो गया है। वहीं ग्राम आमापारा की श्रीमती सुंदरी पैकरा इस राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं, जिससे उनके बच्चों के भविष्य को नई दिशा मिल रही है।

भरतपुर विकासखंड के ग्राम चांटी की श्रीमती सविता सिंह की कहानी इस योजना की सार्थकता को और मजबूत करती है। उन्होंने महतारी वंदन योजना की राशि को बचाकर सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई कार्य शुरू किया। आज वे गांव में कपड़ों की सिलाई कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं और अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च स्वयं उठा रही हैं। उनकी सफलता ने गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है।

महतारी वंदन योजना का व्यापक प्रभाव प्रदेश के हर जिले में दिखाई दे रहा है। लगभग 69 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है और अब तक 25 किस्तों के माध्यम से 16 हजार 237 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के जरिए प्रदान की जा चुकी है। यह नियमित आर्थिक सहयोग महिलाओं के जीवन में स्थिरता और आत्मविश्वास ला रहा है।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह महिलाओं को केवल सहायता नहीं देती, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देती है। महिलाएं इस राशि से छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं, बच्चों की पढ़ाई में निवेश कर रही हैं, खेती-किसानी को

मजबूत बना रही हैं और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे परिवार, समाज और राज्य—तीनों स्तरों पर सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है।

महिलाओं का कहना है कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब महतारी वंदन योजना ने उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीने की ताकत दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में नई उम्मीद और नया आत्मविश्वास लेकर आई है।

आज महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी दे रही है। निश्चित रूप से महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आत्मसम्मान, सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य की नई सुबह साबित हो रही है, जो आने वाले समय में प्रदेश के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला बनेगी।

साख बिगाड़ने और दबाव बनाने का हिस्सा मात्र

हरिशंकर व्यास

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद एनसीईआरटी लाइन पर है और सरकार भी। सब सफाई दे रहे हैं और माफी मांग रहे हैं। एनसीईआरटी ने कोर्ट में माफी मांगी और किताबें वापस लेने का भरोसा दिया पर अदालत इतने पर संतुष्ट नहीं है। चीफ जस्टिस ने किताब पर रोक लगा दी है। लेकिन क्या यह सचमुच न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा मुद्दा है या इसके पीछे कोई और कहानी है? असल में एनसीईआरटी की आठवीं की किताब में 'करप्शन इन ज्यूडिशियरीज' का जो अध्याय शामिल किया गया था वह न्यायपालिका में किसी भी स्तर पर मौजूद भ्रष्टाचार के बारे में छात्रों को बताने का उपक्रम था ही नहीं। ऐसा लग रहा है कि वह न्यायपालिका की साख पर सवाल खड़ा करने और लोगों के बीच धारणा को प्रभावित करने का प्रयास था। ध्यान रहे एनसीईआरटी की किताबें ऐसे नहीं तैयार हो जाती हैं कि किसी ने रैंडम कुछ लिख दिया और किताब छप गई। उसकी एक लंबी प्रक्रिया है। हर विषय की दो कमेटियां हैं, जो सामग्री तैयार कराने से लेकर उसके छपने तक की प्रक्रिया पर नजर रखती हैं।

आठवीं कक्षा के समाज विज्ञान की किताब में यह अध्याय है। यह सिर्फ संयोग है कि समाज विज्ञान की किताब तैयार करने वाले कैरिकुलर एरिया ग्रुप के प्रमुख आईआईटी गांधीनगर के गेस्ट प्रोफेसर मिशेल डेनिनो हैं। यह कमेटी सामाजिक विज्ञान की किताबों की सामग्री के चयन, लेखन आदि पर ध्यान रखती है। इसके बाद नेशनल सिलेबस एंड टीचिंग लर्निंग मैटेरियल्स कमेटी होती है। यह एक उच्चस्तरीय कमेटी है, जिसने किताब को अंतिम रूप दिया है। इस कमेटी के अध्यक्ष नेशनल स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के चांसलर एमसी पंत हैं। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मंजुल भार्गव इसके सह अध्यक्ष हैं। इनके अलावा इंफोसिस की सुधा मूर्ति और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य संजीव सान्याल सहित 19 सदस्य हैं। सोचें, अगर इन सब लोगों ने सही में अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह किया है तो इसका मतलब होगा कि सबकी नजरों से किताब की सामग्री गुजरी और किसी को इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं दिखा।

तभी सवाल है कि फिर सरकार ने कोर्ट में इसका बचाव क्यों नहीं किया? अगर इतने लोगों ने मिल कर किताब तैयार करने में भूमिका निभाई है तो या तो सब पर कारवाई हो या फिर सरकार कोर्ट में किताब का बचाव करे। एक दिलचस्प संयोग यह भी है कि प्रोफेसर मिशेल डेनिन की अध्यक्षता वाली कमेटी ने ही इतिहास की किताबों से मुगल साम्राज्य की कहानियों में कटौती की थी और उसे घटा कर बहुत छोटा कर दिया था।

तभी सवाल है कि जो कमेटी देश में चल रहे सामाजिक और राजनीतिक नैरेटिव के हिसाब से किताबों की सामग्री तैयार कर रही है क्या उसने अनायास न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार के मामले में आठवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाने का फैसला कर लिया था? किसी को इस पर यकीन नहीं हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम पर सोशल मीडिया में जो नैरेटिव बना है उसे बारीकी से देखें तो लग रहा है कि जिस मकसद से यह अध्याय किताब में शामिल किया गया था वह मकसद पूरा हो गया। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा शुरू हो गई और सर्वोच्च अदालत द्वारा इस चर्चा को रोके जाने को लेकर भी बहस छिड़ गई है। एक बड़ा समूह है, जो कह रहा है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है और उसकी जांच होनी चाहिए, उस पर चर्चा होनी चाहिए। वही समूह यह भी कह रहा है कि न्यायपालिका अपने मामले में तुरंत मर्माहत हो जाती है और नहीं चाहती है कि उसकी बातें लोगों के सामने आए।

सुप्रीम कोर्ट के बड़े वकील और जनहित याचिकाओं के माध्यम से लोगों की आवाज उठाने वाले प्रशांत भूषण ने भी सुप्रीम कोर्ट और कुछ वरिष्ठ वकीलों की टिप्पणियों पर आपत्ति की है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा है कि 2007 में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने कहा था कि लोगों की नजर में न्यायपालिका दूसरी सबसे भ्रष्टाचार वाली संस्था है। उन्होंने लिखा है कि अगर इस पर चर्चा को दबाया जाएगा तो लोगों की धारणा और मजबूत होगी। बाद में एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक जेएस राजपूत ने भी सुप्रीम कोर्ट के रवैए पर सवाल उठाया और कहा कि अगर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा होती है तो उसे रोकना ठीक नहीं है। जाहिर है कि अब किताब भले प्रतिबंधित हो जाए और न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का अध्याय हटा कर बाद में किताब जारी हो लेकिन लोगों के बीच में यह मैसेज चला गया कि सरकार ने किताब तैयार कराई, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का अध्याय था और उसे न्यायपालिका ने प्रतिबंधित कर दिया। इस तरह न्यायपालिका की साख पर सवाल भी उठ गया और उसके द्वारा अपने मामले को दबा देने की प्रवृत्ति का भी पता चल गया। लोगों के बीच इस घटनाक्रम के बाद न्यायपालिका के प्रति धारणा थोड़ी और बिगड़ेगी।

इस पूरे घटनाक्रम से जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला फिर चर्चा में आ गया है। दिल्ली हाई कोर्ट के जज रहे जस्टिस वर्मा के घर से जले हुए नोट बरामद हुए थे। यह घटना पिछले साल होली के समय की है और फिर होली आ गई। एक साल में कुछ भी नहीं हुआ है। संसद में महाभियोग का प्रस्ताव है, जिसकी जांच होनी है। लोग पूछ रहे हैं कि जज के यहां बोरियों में भरे नोट बरामद हुए तो क्या हुआ? अगर कारवाई करके कोई मिसाल बनाई गई होती तो उससे लोगों की धारणा सकारात्मक रूप से प्रभावित होती। लेकिन भ्रष्टाचार के इतने बड़े मुद्दे पर कोई कारवाई नहीं हुई। इस बीच किताब में एक अध्याय जरूर शामिल कर दिया गया। अगर भ्रष्टाचार मुद्दा होता तो किताब में से नहीं हटाया जाता, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र से हटाया जाता, जहां वह शिष्टाचार की तरह स्थापित है। यह तो सिर्फ साख बिगाड़? और उसके ऊपर दबाव बनाने की कोशिश का एक हिस्सा मात्र है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिना किसी चिन्ता के घर में मिल रही बिजली

अजीत द्विवेदी

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने जशपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह खोल दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन जिले में किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। बगीचा विकासखंड के ग्राम चम्पा निवासी कोइरा राम इसकी एक सशक्त उदाहरण हैं।

उन्होंने अपने घर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 2 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। कोइरा राम बताते हैं कि सोलर पैनल लगने से पहले उन्हें हर महीने अधिक बिजली बिल चुकाना पड़ता था, जिससे घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और अब वे बिना किसी चिंता के बिजली का उपयोग कर पा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापना की कुल लागत लगभग 1.20 लाख रुपये आई, जिसमें शासन की ओर से 90 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। शेष राशि वहन करना उनके लिए भी आसान हो गया, क्योंकि योजना के अंतर्गत उन्हें समय पर मार्गदर्शन और सहयोग मिला। इससे न केवल उनकी मासिक बचत बढ़ी है, बल्कि वे स्वच्छ और हरित ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी सहभागी बन रहे हैं। कोइरा राम का कहना है कि यह योजना ग्रामीण परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि इससे एक ओर बिजली खर्च से राहत मिल रही है, वहीं दूसरी ओर आत्मनिर्भरता की भावना भी मजबूत हो रही है। उन्होंने इस जनहितकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार आम नागरिकों के जीवन को आसान और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

आधुनिक तकनीक से खेती को बनाया नया मॉडल किसान मुकेश ने

नई दृष्टिबिंदु/रायपुर

बहु-फसली पद्धति के माध्यम से जैविक खेती को नया रूप दे रहा है, जो मिट्टी के स्वास्थ्य, लचीलेपन और उपज को बढ़ावा देती है। मुकेश कुजूर पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक टिकाऊ कृषि सिद्धांतों के साथ जोड़ता है-यह दर्शाता है कि प्रकृति के साथ खेती करना न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि लाभदायक, जलवायु-अनुकूल खेती का भविष्य भी है।

जशपुर जिला के विकास खंड बगीचा के ग्राम पंचायत भीतघरा के प्रगतिशील किसान मुकेश कुजूर जैसे किसान बहु-फसली खेती के माध्यम से आय दोगुनी कर सफलता का नया मॉडल पेश कर रहे हैं। टमाटर, पत्तागोभी, मक्का,खीरा और गेंदा फूल जैसी फसलें उगाकर ये किसान एक ही जमीन से वर्ष भर सीजनल और वार्षिक मुनाफा कमा रहे हैं। इस तकनीक से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और खरपतवार नियंत्रित रहते हैं।

ग्राम पंचायत भीतघरा, बगीचा विकास खंड के मुकेश कुजूर ने दिखा दिया कि नई सोच और आधुनिक तकनीक से खेती को ज्यादा लाभकारी बनाया जा सकता है। 25 एकड़ में टमाटर, पत्ता गोभी, मक्का, खीरा और गेंदा की बहु-फसली खेती कर ये बना रहे हैं सफलता का नया मॉडल अगर आप भी सीखना चाहते हैं ऐसी ही नई तकनीकें, तो 23-25 मार्च को कृषि क्रांति एक्सपो, कुनकुरी (जशपुर) में जरूर आएँ। भीतघरा के किसान मुकेश कुजूर ने अपने 25 एकड़ खेत को नवाचार का मॉडल बना दिया है। किसान अपने खेतों में बहुफसली खेती से जिले के दूसरे किसानों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। किसान मुकेश ने नई सोच और प्रयोगों से साबित किया है कि समझदारी से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वे सिंचाई के लिए ड्रिप और मल्चिंग से टमाटर की खेती करते हैं। खेतों के बीच बीच में मक्का और गेंदा का फूल भी लगाए हैं जिससे उनको अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। उन्होंने बताया कि कृषि वैज्ञानिक की सलाह और मार्गदर्शन में कौन सी किटनाशक दवाइयों का उपयोग करना है कितनी मात्रा में करना इसकी भी जानकारी उन्हें है।

किसान मुकेश ने बताया कि ड्रिप लगाने का फायदा यह होता है कि सिंचाई के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है। इसी से खाद भी सीधे पौधों तक पहुंचाया जाता है। कम पानी से अच्छी फसल ली जा सकती है। किसान मुकेश ने बताया की बरसात में खीरा की फसल लेते हैं और गर्मी में मक्का की फसल ले रहे हैं खीरा और मक्का के उत्पादन से उन्हें अच्छी आमदनी हो जाती है।

खुद परखें उर्वरक

मिलावट की जांच का तरीका

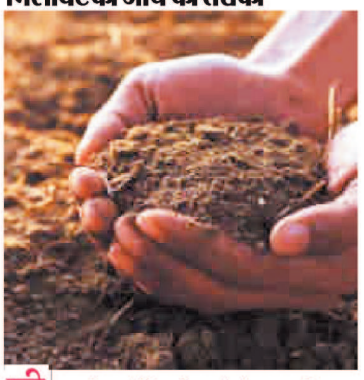

सी एफसीएल टेस्टिंग किट जो सेन्ट्रल फर्टिलाइजर क्वालिटी कन्ट्रोल एण्ड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट भारत सरकार फरीदाबाद (हरियाणा) से विकसित है के द्वारा प्रमुख उर्वरकों में मिलावट की जांच कर सकते हैं जैसे–

यूरिया

शुद्ध यूरिया चकमदार, लगभग समान आकार के दाने वाला, पानी में पूर्णतया घुल जाता, घोल को छूने पर शीतल की अनुभूति, गर्म तबे पर रखने से पिघल जाना, आंच तेज करने पर कोई अवशेष न बचना आदि सामान्य बाते हैं।

हथेली पर थोड़ा पानी लें, 2 मिनिट बाद जब हथेली और पानी का ताप अनुरूप (एक सा) हो जाए तब 10–15 दाने यूरिया के डालें, शुद्ध यूरिया ठंडक देगा, यदि ठंडक महसूस न हो तो यूरिया में मिलावट समझें।

1 ग्राम यूरिया परखनली में ले तथा पिघलने तक गर्म करें, ठंडा होने पर 1 मिली पदार्थ पानी में घोलें तथा बूंद–बूंद कर 1 मिली बाई यूरेट घोल मिलाएं, गुलाबी रंग आता है तो यूरिया शुद्ध है और यदि गुलाबी रंग नहीं आता है तो मिलावट है।

1 ग्राम यूरिया परखनली में लें तथा 5 मिली आसुत जल मिलाएं और पदार्थ को घोलें एवं 5–6 बूंद सिलवर नाईट्रेट घोल मिलाएं दही जैसा सफेद अवक्षेप का बनना यह प्रदर्शित करता है कि पदार्थ मिलावटी है किसी भी अवक्षेप का न बनना शुद्ध यूरिया को बताएगा।

डीएपी (डाई अमोनियम फास्फेट)

- सामान्यतः शुद्ध डीएपी के दानों का आकार एकदम गोल नहीं होता , डीएपी के दानों को गर्म करने या जलाने पर दाने फूलकर साबूदाने की भांति खिलकर फूलकर लगभग दोगने आकार के हो जाएं तो वह शुद्ध होगा, डीएपी के दानों को लेकर फर्श पर रखें फिर जूते से ताकत से रगड़े शुद्ध डीएपी के दाने आसानी से नहीं फूटेंगे, यदि आसानी से टूट जाए तो डीएपी में मिलावट है।

- डीएपी में नाइट्रोजन जांच के लिए 1 ग्राम पिसी डीएपी में चूना मिलायें, सूघें, सूंघने पर यदि अमोनिया की गंध आती है डीएपी में नाइट्रोजन उपस्थित है यदि नहीं तो डीएपी में मिलावट है।
- 1 ग्राम पिसा नमूना परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें और हिलायें, फिर 1 मिली नाईट्रिक अम्ल मिलायें फिर हिलायें, यदि यह घुल जाए एवं घोल अर्धपारदर्शी हो जाए तो डीएपी शुद्ध है, यदि कोई पदार्थ अघुलनशील बचता है तो मिलावट है।
- एक चम्मच डीएपी परखनली में लें, घोल बनाये तथा 1/2 मिली सोडियम हाइड्रासाईड मिलायें, हिलायें, सूंघे यदि अमोनिया की तीक्ष्ण गंध है तो डीएपी शुद्ध है गंध नहीं तो मिलावट समझें।

सिंगल सुपरफास्फेट

- दानेदार पाऊडर काला भूरा आदि रंगों में , एक दाना हथेली पर रगड़ने से आसानी से टूट जाये तो शुद्ध है।
- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें और छाने तथा 5–6 बूंद घोल मिलायें यदि पीला अवक्षेप है एवं घुल जाए तो फास्फेट की उपस्थिति है यदि नहीं तो पदार्थ संदिग्ध है।
- 1/2 चम्मच उर्वरक को 5 मिली आसुत जल में घोलें ऊपर के निथरे भाग को दूसरी परखनली में लेकर 15–20 बूंद के घोल को मिलायें, यदि हलका दूधिया अवेक्षप प्राप्त होता है इसमें 2–3 बूंद तनु काष्टिक सोडा मिलाने पर पीला अवक्षेप आता है तो उर्वरक शुद्ध है यदि ऐसा नहीं होता तो अशुद्ध समझें।

जिंकसल्फेट

- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में ले, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें फिल्टर पेपर से छाने 8–10 बूंद तनु घोल मिलायें, सफेद जैली जैसा पदार्थ बनता है तब 10–12 बूंद सान्द्र ह्ड्ड्श॥ घोल मिलायें अगर अवक्षेप घुल जाये तो पदार्थ शुद्ध है अन्यथा नहीं।
- पानी में घुलनशील लेकिन असका घोल यूरिया तथा एमओपी की तरह ठंडा नहीं होता तो पदार्थ शुद्ध है।
- डीएपी के घोल के जिंक सल्फेट के घोल को मिलाने पर थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है जो मैग्नीशियम सल्फेट के साथ ऐसा नहीं होता।

कैन/ किसान खाद

- 1 ग्राम पदार्थ परखनली में ले एचसीएल मिलायें, शुद्ध केन उर्वरक में बहुत सारे बुलबुले उठेंगे, इसके बाद 10 मिली आसुत जल मिलायें, कुछ समय बाद पदार्थ घुल जाएगा तो शुद्ध केन है, अन्यथा नहीं।

म्यूरेट ऑफ पोटाश

- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें व अच्छी तरह हिलायें, अधिकांश उर्वरक घुल जाए तथा कुछ अघुलनशील कण पानी की सत पर तैरें तो शुद्ध होगी यदि अधिकांश अघुलनशील पदार्थ परखनली के तले पर बैठ जाए तो समझे उर्वरक में मिलावट है।
- 1 ग्राम उर्वरक लें और 10 मिली आसुत जल मिलायें इसे अच्छी तरह घोलें एवं छाने फिकट्रेट में 5–6 बूदें कोवेल्टी नाइट्रेट रिजेब्ट को मिलायें, पीला अवक्षेप का बनना उर्वरक में के की उपस्थिति बताएगा तथा अवक्षेप का ना बनना पदार्थ में मिलावट बताएगा।
- शुद्ध एमओपी पानी में पूर्णतया घुलनशील, रंगी एमओपी का लाल भाग पानी का तैरता है यदि ऐसा है तो एमओपी शुद्ध है अन्यथा नहीं शुद्ध एमओपी के कण नम करने पर आपस में चिपकते नहीं है।

कीटों से बचाएं तोरिया

पौध संरक्षण अर्थात् फसल सुरक्षा

तोरिया में लगभग एक दर्जन कीट एवं रोग हानि पहुंचाते हैं उनमें प्रमुख हैं। माहो, आरा मक्खी, पेंटेडबग और दीमक तथा रोगों में व्हाइट रस्ट अर्थात सफेद रतुआ, आल्टरनेरिया ब्लाइट अर्थात झुलसा रोग, डाउनी मिल्ड्यू और पाउडरी मिल्डयू प्रमुख है।

माहो

तोरिया में सबसे अधिक हानि इस कीट द्वारा होती है। इसकी संख्या में वृद्धि नम एवं बदली वाले मौसम में होती है। यह कीट बहुत छोटा लगभग तारामीरा के दाने जैसा हरे रंग का होता है। कीट कोशिकाओं का रस चूसते हैं। जिससे पौधों का विकास रुक जाता है एवं फलियां सिकुड़ने लगती हैं। इसके बचाव के लिए फसल की बोनी अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में करें। इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 1 मिली मात्रा प्रति 3 लीटर पानी में या डायमिथियेट 30 ईसी की 2 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

आरा मक्खी

तोरिया का यह कीट प्रारंभिक अवस्था अक्टूबर, नवम्बर में फसलों की पत्तियों को किनारे से खाकर नुकसान पहुंचाता है। इसकी एक खास पहचान यह है कि इसे स्पर्श करने पर शीघ्र ही यह अपने शरीर की कुंडली अर्थात रिंग बना लेता है। इसकी रोकथाम के लिए कार्बोसल्फान 25 ईसी 400 मिली दवा या ऐसीफेट 75 डब्ल्यू पी की 150 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

आल्टरनेरिया ब्लाइट

इसे झुलसा रोग के नाम से भी जानते हैं। इससे तोरिया की उपज में कमी के साथ–साथ तेल की मात्रा भी कम हो जाती है। इस रोग से बचाव के लिए मेटालेक्जिल+मेन्कोजेब (64+8) या मेंकोजेब 75 डब्ल्यू.पी. की 2.5 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें। यह छिड़काव फसल बोने के 40 से 45 दिन से शुरू कर 15 दिन के अंतराल से दो – तीन बार करें।

व्हाइटरस्ट

इस बीमारी को सफेद रतुआ अथवा श्वेत किट्टू भी कहा जाता है। आमतौर पर इस रोग के लक्षण तोरिया की पत्तियों की निचली सतह से शुरू होते हैं। बाद में तने एव फलियों पर भी सफेद रंग के फफोले दिखाई देते हैं या धब्बे गर्म एवं अधिक आर्द्रता वाले अनुकूल मौसम को पाकर बड़े हो जाते हैं और पत्तियों का काफी भाग नष्ट कर देते हैं। इसके नियंत्रण के लिए रिडोमिल की डेढ़ ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर अथवा डाईथेन एम–45 का 0.25 प्रतिशत घोल बनाकर छिड़काव करें।

पाउडरी मिल्ड्यू

इस रोग में तने पत्तियों एवं हरी फलियों पर सफेद चूर्ण जैसी फंफूद दिखाई देती है। इसके नियंत्रण के लिए फसल पर हेक्जाकोनाजोल या डायनोकेप या केराथेन की 1 मिली या घुलनशील गंधक 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

नर्सरी में कीट व्याधियों का नियंत्रण

प्रमुख रोग- आर्द्रपतन

बीज के अंकुरित होने से पहले मिट्टी की सतह पर पहुंचने से पहले ही बीजांकुर मर जाते हैं क्योंकि ऐसा मिट्टी के भीतर ही होता है जिनसे उत्पादक इसको जान नहीं पाता और वह इसे रोग न समझकर बेकार किस्म का बीज समझ बैठता है।दूसरी अवस्था में पौध नर्सरी में उग जाती है परंतु वह शीघ्र ही गिर जाती है ऐसा कवक मिट्टी तल अथवा इससे नीचे संक्रमण करता है। नर्सरी में रोगग्रस्त बीजांकुरों के बड़े–बड़े क्षेत्र के रुप में दिखाई देते हैं। जब मिट्टी में नमी की मात्रा मध्य से उच्च तक तथा तापमान अधिक होता है तब रोग उग्र रुप धारण कर लेता है।

नियंत्रण हेतु

- बीजों को आर्द्रपतन के प्रथम अवस्था से बचाने के लिए बीजोपचार करें। बीजोपचार के लिये बीजों को कार्बेन्डाजिम या थायरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
- मिट्टी उपचार भी अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए एक भाग फार्मलीन को 50 भाग जल में मिलाकर नर्सरी की मिट्टी को चार इंच गहराई तक गीला कर देवे। इसके अतिरिक्त फाइटोलान (0.5 प्रतिशत) अथवा पेरेनाक्स (0.2 प्रतिशत) से भी मिट्टी को उपचारित कर सकते है।
- नर्सरी की क्यारियां जमीन से कुछ ऊंची उठी हुई हो जिससे उचित जल निकास हो सके।
- अच्छी प्रकार से सड़ी हुई खाद प्रयोग करें।
- नर्सरी में मिट्टी तथा बालू की उचित मात्रा हो।
- नर्सरी में अधिक बीज की बुवाई न करें।

प्रमुख कीट

दीमक

छोटे आकार का यह कीट जमीन में रहता है और अंदर से ही पौधों की जड़ों को काटकर खाता है जिससे पौधे मुरझाकर सूख जाते हैं। यह कीट पौधे के तने व टहनियों को नुकसान पहुंचाते हैं।

कातरा

मटमैले रंग की इस कीट की लट रात को निकलकर पौधशाला में पौधों की जमीन की सतह से काटकर गिरा देती है।

चैंपा व हरा तेला

पौधों की कोमल पत्तियों, कोपलों से यह रस चूसता है जिससे उन पर सफेद पीले रंग के धब्बे दिखाई देते हैं व पौधे कमजोर हो जाते हैं। चैंपा पत्तियों व ग्रसित भाग पर चिपचिपा पदार्थ छोड़ता है जिससे कई प्रकार की फफूंदी के संक्रमण का भय रहता है। ये कीट कई फसलों में विषाणु रोगों के वाहक का काम भी करता है।

तम्बाकू की लट

यह कीट अधिकतर खड़ी फसल में नुकसान करते हैं परंतु नर्सरी में टमाटर, गोभीवर्गीय सब्जियों के पौधों को अपने काटने वाले मुखांगों से काटकर नुकसान करते हैं।

सफेद लट

इस कीट के लार्वा नर्सरी व खेत दोनों में पौधों को हानि पहुंचाते हैं। इनकी लटें जमीन में रहती हैं और पौधों की जड़ों को काट देती हैं जिससे पौधे मर जाते हैं।

आरा मक्खी

हरे काले रंग की लटें पौधों की छोटी अवस्था में नुकसान करती है। यह सुबह या शाम के समय पत्तियों को खाती हैं व गोल छेद बना देती है और अधिक उग्र अवस्था में पौधे को खत्म कर देती है। उपरोक्त कीटों के अतिरिक्त कई प्रकार की भृंग, वीवल्स आदि नर्सरी में पौध को क्षति पहुंचाते है।

नियंत्रण

- नर्सरी की क्यारियां जमीन से कुछ ऊंची उठी हुई हों जिससे उचित जल निकास हो सके।
- नर्सरी में सफाई का ध्यान रखें। समय समय पर निराई गुड़ाई करते रहें। खरपतवारों को उखाड़कर नष्ट कर देवे एवं कूड़ा करकट को एकत्रित कर जला दें।
- नर्सरी में पौध लगाने से पूर्व मिट्टी को मिथाइल पैराथियान से उपचारित करें जिससे उसमें उपस्थित अण्डे व प्यूपा खत्म हो जायें।
- नर्सरी में उपयोग होने वाले बीजों को इमिडाक्लोप्रिड 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करें जिससे रस चूसने वाले कीटों से लम्बे समय तक बचाव होता है।
- नर्सरी में खड़े पौधों को पत्ती काटने वाली सुण्डियों से रोकथाम हेतु क्विनालफास की 2 मिली मात्रा एक लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- नर्सरी में दीमक की रोकथाम के लिए क्लोरोपायरीफास को सिंचाई के साथ देवे।
- नर्सरी के बाहर प्रकाश प्रपंच लगाकर रात्रि में आकर्षित कीटों को नष्ट कर देवे।

शंकर के नए ड्रीम प्रोजेक्ट में दिख सकते हैं धनुष

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों चर्चा है कि निर्देशक एस शंकर सा अपनी लंबे समय से अटकी ऐतिहासिक परियोजना 'वेलपारी' के लिए धनुष से संपर्क में हैं। हालांकि दोनों पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों का दावा है कि डेट्स और अवेलिबिलिटी को लेकर शुरुआती स्तर पर बातचीत संभव है।

दो हीरो वाले नैरेटिव में मेकर्स रचेंगे बड़ा कैनवास

'वेलपारी' को शंकर का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जा रहा है और इसे एक डुअल-हीरो पीरियड ड्रामा के रूप में डेवलप किया जा रहा है। इससे पहले रिपोर्ट्स में विक्रम और रणवीर सिंह के नाम प्रमुख पात्रों के लिए सामने आए थे, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी। अब चर्चा है कि शंकर ने धनुष की डेट्स के बारे में जानकारी ली है, जिससे अटकलें और तेज हो गई हैं। हाल ही में शंकर, धनुष की फिल्म 'डी55' के पूजा समारोह में शामिल हुए थे। 'DSS' को प्रोड्यूस कर रहे बैनर आर टेक स्टूडियोज, 'वेलपारी' को लेकर शंकर से बातचीत में हैं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

'वीर युग नायकन वेलपारी' पर आधारित है कहानी

शंकर की यह फिल्म फेमस नॉवेल 'वीर युग नायकन वेलपारी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु वेंकटेशन ने लिखा है। यह नॉवेल प्राचीन तमिल शासक वेलपारी के जीवन, शौर्य और अद्भुत दानवीरता का वर्णन करती है।

'गेम ऑफ थ्रोन्स' और 'अवतार' जैसी फिल्म बनाना चाहते हैं शंकर

शंकर पहले भी सार्वजनिक मंचों पर नॉवेल के प्रति अपनी गहरी इच्छा जता चुके हैं और इसे 'गेम ऑफ थ्रोन्स' और 'अवतार' जैसे भव्य स्तर पर बनाने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। दूसरी ओर, धनुष हाल ही में 'तेरे इश्क में' में नजर आए थे और अब 'कारा' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उनकी आगामी फिल्मों में 'डी55', 'डी56' और 'कलामः द मिसाइल मैन और इंडिया' शामिल हैं। ऐसे में अगर 'वेलपारी' पर मुहर लगती है तो यह तमिल सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक हो सकती है।

रश्मिका ने जाहिर की अवॉर्ड मिलने की खुशी

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के जीवन का 2026 एक महत्वपूर्ण साल रहा। इस साल फरवरी में उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड विजय देवराकोंडा से शादी की। आगे उनके कई बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स भी लाइन अप हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपने राज्य स्तर पर सम्मान पाने की खुशी जाहिर की।

साझा किया बचपन का किस्सा

19 मार्च 2026 की रात तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स 2025 के शानदार आयोजन में रश्मिका मंदाना भी पहुंची थी। वहां उन्हें 'द गर्लफ्रेंड' के लिए इस स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अपनी इस खुशी को रश्मिका ने सोशल मीडिया पोस्ट को जरिए शेयर किया। उन्होंने लिखा, ' जब मैं छोटी बच्ची थी और कोई राज्य स्तर पर विजेता बनता था, तो मुझे वो सुपरस्टार की तरह दिखता था। मैं सोचती थी कि उन्होंने ये सब कुछ कैसे अचीव किया? वे दिन भर क्या करते हैं, वगैरह। और कल शाम राज्य पुरस्कार जीतना मेरे सपनों के पूरे होने जितना खास था। मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां कर सकती हूं, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है कि मैंने बहुत लंबा सफर तय किया है। मुझे इसके लिए खुशी है।' इस खूबसूरत शाम में चिरंजीवी, कमल हासन, अक्किनेनी नागार्जुन, नागा चैतन्य और माधुरी दीक्षित जैसे कई बड़े सितारे शामिल हुए।

अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

रश्मिका मंदाना आने वाले वक्त में कई फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें 'कॉकटेल 2', 'राणाबाली', 'एनिमल पार्क', 'पुष्पा 3' और 'मैसा' के नाम शामिल हैं। फिल्म 'राणाबाली' में रश्मिका को उनके एक्टर पति विजय देवरकोंडा के साथ देखा जाएगा। बात करें फिल्म 'मैसा' की तो इसमें रश्मिका बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगी। 27 जून 2025 को इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें रश्मिका को दमदार अंदाज में देखा गया था।

करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ने लिखा खास संदेश

मृणाल ठाकुर का फिल्मी करियर आज दस साल का हो गया है। उनकी पहली फिल्म 'लव सोनिया' आज से दस साल पहले रिलीज हुई थी। पहली ही फिल्म में मृणाल के अभिनय को पसंद किया गया था। अब आज इंडस्ट्री में अपने दस साल पूरे होने पर एक्ट्रेस ने 'लव सोनिया' के समय को याद किया। साथ ही उन्होंने 'लव सोनिया' के फैंस के लिए एक सरप्राइज भी दिया। 19 मार्च को अपनी पहली फिल्म 'लव सोनिया' और अपने करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। पोस्ट में मृणाल ने अपने शुरुआती दिनों के बारे में एक बेहद निजी संदेश लिखा। फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज से दस साल पहले... मैंने पहली बार फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक सपना, एक शुरुआत, एक ऐसा जीवन जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं हमेशा आभारी रहूंगी।'

देखने को मिलेंगे 'लव सोनिया' के डिलीटेड सीन

इस दौरान अपनी पोस्ट में मृणाल ठाकुर ने फैंस के लिए खास घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि 'लव सोनिया' के कुछ अनदेखे डिलीट किए गए सीन ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक्ट्रेस ने कहा कि 24 घंटे में पहली बार हम 'लव सोनिया' के नौ अनदेखे डिलीट किए गए सीन रिलीज करेंगे। तबरेज नूरानी द्वारा निर्देशित 'लव सोनिया' 2016 में निर्माण शुरू होने के बाद 2018 में रिलीज हुई थी। वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म सोनिया की उस जर्नी को दर्शाती है, जिसमें वह अपनी बहन प्रीति को बचाने की कोशिश करती है। जिसे अंतरराष्ट्रीय यौन तस्करी में बेच दिया गया था। कहानी में तब एक भयावह मोड़ आता है, जब सोनिया खुद इस जाल में फंस जाती है।

जेनेलिया डिसूजा को याद आए पुराने दिन, साउथ फिल्म के गाने पर शेयर किए जज्बात

अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा ने सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि साउथ सिनेमा में भी अपने अभिनय की छाप छोड़ चुकी हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत साउथ सिनेमा से ही की थी। उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम करके दर्शकों का दिल जीता है। शुक्रवार को जेनेलिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी पुरानी साउथ इंडियन फिल्मों में से एक का गाना शेयर करते हुए पुरानी यादें ताजा कीं। इस पोस्ट में जेनेलिया ने अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे पारंपरिक साड़ी लुक में नजर आ रही हैं। साथ ही, अभिनेत्री ने 'नल्ला नल्लानी कल्ला' ऐड किया, जिसे उन्होंने अपने मनपसंद गानों में से एक बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब भी वह अपना कोई पुराना गाना पोस्ट करती हैं और उसे ट्रेंड करते हुए देखती हैं, तो उन्हें पुरानी यादों का एक जबरदस्त एहसास होता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ भावनाएं सिर्फ ट्रेंड से कहीं ज्यादा होती हैं, क्योंकि वे जिंदगी भर साथ रहती हैं। जेनेलिया ने पोस्ट कर लिखा, 'जब भी मैं अपने पुराने साउथ गाने जोड़ती हूं, तो एक अलग ही यादें ताजा हो जाती हैं, और जब उन्हें ट्रेंड करता हुआ देखती हूं, तो लगता है कि कुछ फिल्में और भावनाएं ट्रेंड से परे होती हैं; वे हमेशा के लिए याद रहती हैं।' बता दें कि 'नल्ला नल्लानी कल्ला' गाना साल 2004 में रिलीज हुई लोकप्रिय तेलुगु फिल्म 'सई' में फिल्माया गया था। इस रोमांटिक गाने को एम.एम. कीरावानी ने कंपोज किया है और उन्होंने ही के.एस. चित्रा के साथ मिलकर इसे अपनी आवाज भी दी थी। गाने को जेनेलिया के साथ नितिन ने अपनी परफॉर्मेंस से और भी शानदार बना दिया था। गाना सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड करता है। तेलुगु यूजर्स गाने पर रील्स बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बनते हैं। 'नल्ला नल्लानी कल्ला' एक लोकप्रिय तेलुगु गाना है, जिसका अर्थ 'काली-काली आंखें' होता है। यही कारण है कि गाने को अच्छी तरह से बयां करने के लिए जेनेलिया की आंखों पर ज्यादा फोकस किया गया है।

'धुरंधर 2' की आड़ में रामगोपाल वर्मा के निशाने पर आया बॉलीवुड

गुरुवार को फिल्म 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों रिलीज हुई, इसने पहले दिन ही 100 करोड़ क्लब में एंट्री मार ली। ऐसा करने वाली यह पहली भारतीय फिल्म है। रणवीर सिंह के करियर की भी यह सबसे बड़ी हिट बन गई है। फिल्म को आदित्य धर ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को देखकर डायरेक्टर रामगोपाल वर्मा गदगद हैं। साथ ही वह बॉलीवुड के बाकी फिल्ममेकर्स और एक्टर को भी एक चेता रहे हैं।

शुक्रवार को एक ट्वीट करते हुए पहले रामगोपाल वर्मा ने भारतीय सिनेमा के फिल्ममेकर्स को निशाने पर लिया। वह अपने ट्वीट में लिखते हैं, 'धुरंधर 2 उन सभी फिल्म निर्माताओं के लिए एक डरावनी फिल्म है जिन्होंने घटिया सिनेमा पर अपना करियर और दौलत बनाई। वो सिनेमा जो शोर-शराबे और मसाले से भरा हुआ, हमारे गले में जबरदस्ती उतारा गया था, अब जल्द ही वेंटिलेटर पर सांस लेने के लिए संघर्ष करता हुआ नजर आएगा।'

नामी एक्टर्स पर भी निशाना साधा

आगे ट्वीट में रामगोपाल वर्मा ने बिना नाम लिए बड़े एक्टर्स को भी लताड़ा है। वह ट्वीट में लिखते हैं, ' फिल्म 'धुरंधर 2' उन सभी फिल्म निर्माताओं को बुरी तरह डरा देगी जो आज भी स्टार्स को भगवान की तरह पूजते हैं। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने उन सभी हीरोज को मार डाला है जो कभी खून नहीं बहाते, कभी दर्द महसूस नहीं करते हैं।' डायरेक्टर ने बॉलीवुड के उन हीरो को सर्कस का जोकर तक कह दिया है। रामगोपाल वर्मा ने अपने ट्वीट में कई और बातें कही हैं। लेकिन आखिरी में वह 'धुरंधर 2' के डायरेक्टर आदित्य धर को जमकर सराहते हैं। वह ट्वीट में लिखते हैं, 'फिल्म 'धुरंधर 2' सिर्फ एक मूवी नहीं है। यह एक फैसला है। आदित्य धर ने उस तरह के सिनेमा का सिर काट दिया है, जिसने दर्शकों की समझ का अपमान किया है। जिसने कहानियों की जगह भड़कीले और दिखावटी विजुअल्स को दिखाया, जिसने हीरो को भगवान और दर्शकों को भेड़ बना दिया। 'धुरंधर 2' का कलेक्शन अब उन सभी पुराने फिल्ममेकर्स की सोच को इतनी गहरी कब्र में दफनाने देगा कि उनका भूत भी बाहर नहीं निकल पाएगें। रामगोपाल वर्मा ने यह भी कहा कि कुछ फिल्ममेकर ढेर सारे पैसे के दम पर आदित्य धर जैसा काम करना चाहेंगे लेकिन उनके जैसा दिमाग कहां से लाएंगे।

रितेश देशमुख ने साझा किया 'राजा शिवाजी' की शूटिंग का अनुभव

रितेश देशमुख अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'राजा शिवाजी' के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में 'धुरंधर 2' के साथ फिल्म का टीजर दिखाया गया, जिसे देखने के बाद फैंस इस फिल्म के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख के लिए यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई प्रयास से कहीं बढ़कर है। यह एक बेहद निजी सफर है, जो एक महाराष्ट्रीयन के रूप में उनकी जड़ों से जुड़ा है। उनका मानना है कि इस महान योद्धा राजा का किरदार निभाना उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी की बात है।

छत्रपति शिवाजी महाराज आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं

वैरायटी से बात करते हुए रितेश देशमुख ने छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एक मराठी परिवार से होने के नाते, हम छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता की कहानियां पढ़ते और सुनते हुए बड़े हुए हैं। उनकी प्रासंगिकता आज की पीढ़ी में भी उतनी ही सच्ची है। मुझे नहीं लगता कि दुनिया में उनके जैसा कोई दूसरा है। मैं गुरुओं या देवताओं की बात नहीं कर रहा। मैं एक ऐसे राजा की बात कर रहा हूं, जो लगभग 350 साल पहले रहते थे, लेकिन आज भी लोग उनके लिए सब कुछ कुर्बान करने को तैयार हैं। वो आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। एक ऐसे राजा जिन्होंने एक अमर विरासत छोड़ी है, जो आज भी प्रेरणा देती है।

बड़े पैमाने पर शिवाजी की कहानी को दिखाना चाहते हैं रितेश

फिल्म को लेकर रितेश देशमुख ने कहा कि 'राजा शिवाजी' एक मराठी द्विभाषी फिल्म है। हम अन्य भाषाओं में भी फिल्म बनाने की सोच रहे हैं। हमारा उद्देश्य इसे बड़े पैमाने पर बनाना है। अक्सर, मराठी फिल्में सीमित दायरे में ही बन पाती हैं। जनसंख्या के हिसाब से, महाराष्ट्र में लगभग 12 करोड़ लोग हैं, जिनमें से लगभग 10 करोड़ मराठी भाषी हैं। यह कई अन्य राज्यों या यहां तक कि देशों की जनसंख्या से कहीं अधिक है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस के आंकड़े इसे नहीं दर्शाते। क्षमता तो है ही, जैसा कि 'सैराट' (2016), 'लाई भारी' (2014) या 'वेद' (2022) ने दिखाया है। मैं महाराष्ट्र की व्यावसायिक क्षमता का लाभ उठाना चाहता हूं। शिवाजी महाराज को पूरे भारत में पूजा जाता है। हम चाहते हैं कि लोग देखें कि राजा के निर्माण में क्या-क्या शामिल था और उनके बचपन पर किन-किन चीजों का प्रभाव पड़ा।

हम एक नए पहलू को बताने की कोशिश कर रहे हैं

फिल्म की कहानी और शूटिंग अनुभव को लेकर अभिनेता ने कहा कि कहानी उनके एक साक्षी होने से शुरू होती है। फिर उनके प्रश्न पूछने तक और अंत में उनके द्वारा अपने भविष्य के बारे में फैसले लेने तक जाती है। हम उनके व्यक्तित्व के एक बिल्कुल अलग पहलू की पड़ताल कर रहे हैं। यह जितनी ऐतिहासिक गाथा है, उतनी ही यह एक परिवार की कहानी भी है। एक पिता, एक पुत्र, एक पति और एक भाई की कहानी। उनका 50 साल की कम उम्र में ही निधन हो गया, लेकिन तब तक उन्होंने बहुत कुछ हासिल कर लिया था। मैं उनके जीवन को ढाई-तीन घंटे में समेटने की कोशिश कर रहा हूं।

1 मई को रिलीज होगी 'राजा शिवाजी'

रितेश देशमुख ने 'राजा शिवाजी' में न सिर्फ अभिनय किया है, बल्कि इसे निर्देशित भी किया है, कहानी भी लिखी है और प्रोड्यूस भी किया है। फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, जेनेलिया देशमुख, फरदीन खान, महेश मांजरेकर, भाग्यश्री और सलमान खान के नाम शामिल हैं। सलमान फिल्म में थोड़ी देर को ही नजर आएंगे। 'राजा शिवाजी' 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

सिंटर प्लांट-3 में हॉट एयर फैन का कमीशनिंग, डीकार्बोनाइजेशन व कार्यकुशलता को मिला प्रोत्साहन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र में सतत एवं पर्यावरण अनुकूल इस्पात उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 20 मार्च, 2026 को सिंटर प्लांट-3 के मशीन-1 में हॉट एयर फैन (अनक्लीन-1 एवं 2) का सफलतापूर्वक पुनः संचालन एवं लोकार्पण किया गया। उल्लेखनीय है कि ये फैन पिछले 12 वर्षों से निष्क्रिय थे, जिन्हें संयंत्र के डीकार्बोनाइजेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत पुर्नजीवित किया गया है।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) बीके बेहेरा ने हॉट एयर फैन का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) प्रमोद कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स) एचके सचदेव, मुख्य महाप्रबंधक (ओचपी एवं एसपी-3) सजीव वर्गीज तथा महाप्रबंधक (ऑपरेशन, एसपी-3) एससी चंवारिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है हॉट एयर फैन के कमिशन कर पुनः संचालन से वायु संचार में सुधार होगा तथा अपशिष्ट ऊष्मा का प्रभावी उपयोग संभव हो सकेगा। इससे प्रक्रिया की स्थिरता एवं तापमान नियंत्रण में सुधार होने के साथ-साथ प्रति टन सिंटर में कोक की खपत लगभग 0.5 किलोग्राम तक कम होगा, जिससे संयंत्र के समग्र कार्बन फुटप्रिंट में भी कमी आएगी।

इस उपलब्धि को महाप्रबंधक (एमएम, एसपी-3) आईवी रमणा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया, जिनकी टीम ने योजना निर्माण, पुर्ननवीनीकरण एवं कमीशनिंग तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्य में महाप्रबंधक एके बेडेकर, आरडी शर्मा, उप महाप्रबंधक एमयू राव, उप महाप्रबंधक एस. सतपथी सहायक महाप्रबंधक (पीईएम) वीके सैनी, सहायक महाप्रबंधक एससी साहू, उप प्रबंधक दिनेश माणिकपुरी, वरिष्ठ प्रबंधक केवल कुमार साहू, जितेश एच साहनी, विपिन मौर्य, सहायक प्रबंधक आरएल साहू एवं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस पहल में संयंत्र के अन्य विभागों का भी सहयोग प्राप्त हुआ, जिसमें महाप्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन) बी. मधु पिछड़ें, वरिष्ठ प्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन) एसके पाटिल, महाप्रबंधक (सीईडी) बीएन झा, उप महाप्रबंधक (एचएमई) संतोष के. साहू, उप प्रबंधक (एचएमई) अतुल भाडे एवं सहायक महाप्रबंधक (पीएलईएम) एसके सारंगी का विशेष योगदान रहा।

खास खबर

आराधना महिला मंडल ने किया छाछ वितरण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर के सामाजसेवी महिलाओं की संस्था आराधना महिला मंडल द्वारा हिंदू नव संवत्सर 2083 धूमधाम से मनाया गया। मंडल की महिलाओं ने शहर के श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर गंज लाइन में पूजा-अर्चना करते भगवान से शहरवासियों की सुख-शांति व खुशहाली की प्रार्थना की। शाम को हिंदी नववर्ष विक्रम संवत 2083 का स्वागत करते अपने-अपने घरों में सैकड़ों दीप जलाकर हर्षोल्लास प्रकट किया।

इस दौरान समाजसेवी महिलाओं के घर-परिवार में हिंदू नववर्ष व चैत्र नवरात्रि पर्व की खुशियां बिखरी रही। आराधना महिला मंडल की समाजसेवी महिलाओं ने हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या शहर में सनातन एकता तिरंगा यात्रा निकाली गई। अवसर पर गंज लाइन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर समीप स्टाल लगाकर शोभायात्रियों का भव्य स्वागत करते छाछ का वितरण किया गया। इस दौरान प्रभा बरडिया, पुष्पा अग्रवाल, अलका जानी, आभा पोद्दार, छाया खंडेलवाल, शशिप्रभा, विजया सोनी, शारदा खंडेलवाल, चंद्रकला अग्रवाल, उमा खंडेलवाल सहित अन्य उपस्थित थे। उक्ताशय की जानकारी आराधना महिला मंडल की अलका जानी द्वारा दी गई।

कबीर साहेब के भजनों से गूंजा बोरी

राजनांदगांव। ब्रह्म विद्या विहंगम महर्षि सदगुरु सदाफल देव आश्रम झुंसी प्रयाग इलाहाबाद से संचालित संस्था विहंगम योग संत समाज के तत्वावधान में ग्राम बोरी में स्ववेंद यात्रा दिवस श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत शोभायात्रा से हुई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा के पश्चात सत्संग, भजन, आरती एवं शांतिपाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कबीर भजनों की सूफियाना अंदाज में प्रस्तुति रही। इस अवसर पर संभागीय अधिकारी डॉ. महेंद्र साहू, संयोजक मोरध्वज साहू, सह-प्रभारी संतोष साहू, गोवर्धन कुंजाम, कुलंजन साहू, प्रीतम साहू, ललित साहू, सोमन साहू, सेवक यादव, छबि साहू, राधेश्याम विश्वकर्मा, नूतन देवांगन, सुखदास साहू, संतराम साहू, मोती साहू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अंत में आरती व शांतिपाठ के साथ भोजन प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

वैश्विक मंच पर चमका बस्तर, बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 में अभूतपूर्व उमड़ा जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर की ऐतिहासिक और नैसर्गिक धरा उस समय गौरवशाली क्षण की साक्षी बनी, जब 'बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026' में उत्साह का अभूतपूर्व जन सैलाब उमड़ा और 9,800 से अधिक पंजीकृत धावकों ने भाग लेकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बस्तर के बदलते स्वरूप, बढ़ती शांति और शासन की पूना मारगेम जैसी पुर्नवास नीतियों की सफलता का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा।

बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 बस्तर के जगदलपुर स्थित लालबाग से प्रारम्भ होकर चित्रकोट जल प्रपात के समीप समापन पश्चात आयोजित समारोह के अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने मैराथन के विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि समृद्ध और विकसित बस्तर बनाने का प्रयास के साथ बस्तर क्षेत्र में बस्तर हैरीटेज मैराथन 2026 का आयोजन एक मील का पत्थर साबित होगा। बस्तर बदल रहा है, बस्तर जो चार दशक से अशांत क्षेत्र रहा अब शांति का गढ़ बन रहा है। यहाँ के युवा खेल गतिविधियों के साथ ही देश के प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफल हो रहे हैं। शांति के इस माहौल में बस्तर मैराथन में देश-विदेश के कई राज्यों और प्रदेश के अन्य जिलों तथा बस्तर संभाग के खिलाड़ी शामिल हुए उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन को बधाई देते भविष्य में पुनः भव्य आयोजन की आशा व्यक्त की।

समारोह में विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में अबूझमाड़ हाफ मैराथन आयोजन के बाद बस्तर हैरिटेज मैराथन का आयोजन शांति, विकास और समृद्धि का नया अध्याय है । अब बस्तर में विभिन्न क्षेत्रों में विकास को गति दी जाएगी इसी का एक प्रयास मैराथन का आयोजन है । इस अवसर पर सांसद बस्तर महेश कश्यप और विधायक विनायक गोयल ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मैराथन के विजेताओं को बधाई दी। 'बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026' का मुख्य आकर्षण 42 किलोमीटर की फुल मैराथन रही, जिसकी शुरुआत जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान से हुई और समापन भारत का निग्रा कहे जाने वाले विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात के तट पर हुआ। आयोजन को समावेशी बनाने के उद्देश्य से इसे 42 किमी, 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी की श्रेणियों में विभाजित किया गया था। 21 किमी दौड़ पोटानार तक, 10 किमी दौड़ कुम्हरावंड तक, जबकि 5 किमी की दौड़ लालबाग से दलपत सागर रानीधाट तक आयोजित की गई, जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशासन द्वारा 25 लाख रुपये की आकर्षक इनामी राशि घोषित की गई थी। साथ ही स्थानीय धावकों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा का अवसर देने हेतु बस्तर कैटेगरी का विशेष प्रावधान रखा गया और बस्तर जिले के निवासियों के लिए पंजीकरण पूर्णतः निःशुल्क रखा गया। इस मैराथन में मांझी- चालकी समुदाय के लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे आयोजन की सामाजिक समावेशिता और अधिक सुदृढ़ हुई।

इस भव्य आयोजन ने न केवल खेल भावना को प्रोत्साहित किया, बल्कि बस्तर की समृद्ध संस्कृति, शांति और विकास की नई तस्वीर को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, महापौर संजय पांडेय, ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि, मांझी-चालकी, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

आज बाबा धाम धनोरा में महिलाएं करेंगी माता की सेवा भजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में रविवार को शाम 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक अंतरराष्ट्रीय सुफी भजन गायक राकेश ठाकुर एवं पूर्णिमा साहू जस गायिका रायपुर वाले का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं आज पंचमी पर्व पर सोमवार को शाम 7 बजे से जय मां शाकंभरी सेवा भजन मंडली सिवनी मोवा रायपुर वाले महिला अपने दरबार में कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। लक्ष्मण बाबा ने बताया कि सोमवार को रात्रि 8 बजे माता रानी की आरती एवं सिंगार के बाद कलश चढ़ावा, गुरुवार को शाम 4 बजे से महाअष्टमी एवं शुक्रवार को शाम 4 बजे से ज्योति विसर्जन शोभा यात्रा के साथ निकाला जाएगा।

चैत्र नवरात्रि पर्व पर भक्तों द्वारा विभिन्न राज्यों सहित विदेशों से भी श्रद्धालुओं ने ज्योति प्रज्वलित किया है। जैसे जापान, अमेरिका, श्रीलंका, नागपुर, महाराष्ट्र, चिचोला, पाथरी, श्रीनगर, जम्मू-काश्मीर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, रायपुर, बेमेतरा, बिलासपुर, छुरिया, मानपुर, अंबागढ़ चौकी व दुर्ग एवं आस पास ग्रामीण श्रद्धालुओं ने भी बाबा दरबार में ज्योति प्रज्वलित करवाए हैं। नवरात्रि के पूरे नौ दिन तक भक्ती भाव में डूबे हुए हैं।

दरबार के विनोद साहू, गुलाब साहू, राजू यादव, मनसुखा साहू, मनोज पटेल, रोमनाथ साहू, बबलू, गज्जू रायपुरीहा, जीवारखन ठेकेदार, बाबू लाल, दिनेश साहू, मारियल साहू, वासुदेव स्रे, पूर्व उपसरपंच कुंभकरण पटेल, मुनना गंधर्व, सुनील पेंटर, एम लाल देवांगन, कल्याण देवांगन, ललित साहू, रोशन साहू, डॉ. धनेशवर साहू, रोहित, झब्बू साहू, गुमान, टीकम साहू, सुंदर सपरे, चन्द्र कांत देवांगन, दिनेश यादव, रामु यादव, ओमकार साहू, श्रीमती बबिता साहू, ललिता यादव, सुनीता साहू, मितानिन कौशिलया सेन, रुखमणि साहू, पार्वती मंडलिन, प्रभा साहू, देवश्री, अंजु देवांगन, संगीता सपरे, उपसरपंच टिकेशवरी साहू, लक्ष्मी साहू, हितेश पटेल, नीरा साहू, मुंगा सपरे, गीता देवांगन, मंजू साहू, पुष्पा देवांगन, कु. पुजा साहू, कु. वेदू साहू, कु. नेहा साहू, कु. सुरुचि, छोटी, कु. डिंपल साहू, कु. विनना साहू आदि श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह जानकारी दरबार प्रति निधी चन्द्र कांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने दी।

जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह ने 64 लाख के विकास कार्यो का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह ने ग्राम बोरिया, सरोली एवं मुरारगोटा पंचायत के आश्रित ग्राम गुभियागढ़ में कुल 64 लाख की लागत से बनने वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास और ग्रामीणों की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है।

ग्राम बोरिया में 20 लाख की लागत से डोम शेड निर्माण एवं 4 लाख की लागत से यात्री प्रतीक्षालय निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। वहीं ग्राम सरोली एवं मुरारगोटा में 20-20 लाख की लागत से डोम शेड निर्माण कार्यो का शुभारंभ किया गया। इन निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आवागमन संबंधी सुविधाओं में महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान ग्राम सरोली स्थित देश माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर नम्रता सिंह ने जिलेवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस दौरान ग्रामवासियों द्वारा मंदिर तक पहुंच के लिए सीढ़ी निर्माण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिस पर उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही सीढ़ी निर्माण के साथ-साथ मंदिर परिसर में डोम शेड का निर्माण भी कराया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य रेखा कोठारी सहित पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। नम्रता ने कहा कि जनसेवा एवं क्षेत्र के समग्र विकास हेतु वे निरंतर प्रयासरत हैं और आने वाले समय में भी क्षेत्रवासियों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

कांग्रेस आंदोलन की चेतावनी के बाद प्रतीक्षालय का हुआ कायाकल्प

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा नगर की मूलभूत समस्याओं को लेकर उठाई गई आवाज का असर अब साफ दिखाई देने लगा है।। नया बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय, जहां लंबे समय से पेयजल, बैठने की व्यवस्था और साफ-सफाई का अभाव था, अब व्यवस्थित कर दिया गया है। पूर्व में प्रतीक्षालय की स्थिति बेहद खराब थी। परिसर में गंदगी, शराब की खाली बोतलें, डिस्पोजल और पानी के पाउच बिखरे पड़े थे। जिससे यह स्थान नशेड़ियों का अड्डा बन चुका था। नगर पालिका को कई बार अवगत कराने के बावजूद सुधार नहीं होने पर कांग्रेसियों ने 18 मार्च को कलेक्टर से मुलाकात कर 22 मार्च तक व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी।

कलेक्टर के निर्देश के बाद नगर पालिका द्वारा तय समय सीमा से एक दिन पहले ही प्रतीक्षालय में सुधार कार्य कर दिए गए। यहां पेयजल की व्यवस्था, बैठने की सुविधा, साफ-सफाई और पेंटिंग का कार्य पूरा किया गया। व्यवस्था का निरीक्षण करने शहर कांग्रेस अध्यक्ष अरुण भारद्वाज और विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी तिना प्रतिपक्ष दीपक देवांगन, पुरन सारथी, शेखर दास वैस्नव, रविंद्र सिंह गहेरवार, महेश यादव, सूर्यकांत यादव, अजय देवांगन मौके पर पहुंचे।

उन्होंने व्यवस्था में सुधार पर नगर पालिका के पुनीत वर्मा का आभार जताया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अरुण भारद्वाज ने कहा कि प्रतीक्षालय की बदहाल स्थिति को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने प्रमुखता से मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों को लेकर आगे भी संघर्ष जारी रहेगा। विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने कहा कि कांग्रेस शहर की समस्याओं को लेकर लगातार शासन-प्रशासन को आईना दिखाने का काम कर रही है। उन्होंने व्यवस्था सुधार के लिए कलेक्टर और नगर पालिका सीएमओ का आभार व्यक्त किया। आंदोलन की चेतावनी के बाद त्वरित कार्रवाई होने से फिलहाल कांग्रेस ने अपना प्रस्तावित आंदोलन स्थगित कर दिया है।

श्रीशिव महापुराण कथा बड़े से बड़े पापी को भी तार देती है -ज्योर्तिमयानंद

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

ग्राम जुनवानी नर्मदा धाम में आयोजित पंच कुंडीय श्रीरुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा के द्वितीय दिवस में दण्डी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि कलियुग में लोग व्यभिचार, चोरी, पाप और पाखंड में लग जायेंगे, निरंतर पाप करते रहेंगे, ऐसी स्थिति में उनका कल्याण हो इसलिए श्रीशिवमहापुराण कथा का प्रकाशन किया गया है। श्रीशिव महापुराण की कथा बड़े से बड़े पापी को भी तार देती है उसका कल्याण कर देती है। देवराज नामक ब्राह्मण था जो रस बेचता था झूठ बोलता था, विश्वासघात करता था धन छीन लेता था वैश्यागामी हो गया था। एक बार अचानक यात्रा करते प्रतिष्ठानपुर के शिवालय पहुंच गया, वहां श्रीशिव महापुराण की कथा चल रही थी, देवराज बीमार पड़ गया और कथा सुनकर मर गया

उसे लेने श्रीशिव के गण आए और हिमालय शिवधाम ले गए और वह देवराज सदा-सदा के लिए शिवधाम में रहने लगा। श्रीशिव महापुराण कथा ने पापी देवराज को तार दिया।

वहीं सनातन धर्म में गौवंश से बड़ा कोई नहीं है। 33 कोटी देवी-देवता गौमाता के शरीर में रहते हैं। हमारे वोट को लेकर नेता और पार्टीयां सरकार बनाते हैं और गौ हत्या करते हैं यह जनता से धोखा है। रोज लाखों गौवंश काट दी जाती है यह गलत है संपूर्ण देश में गौ हत्या बंद हो और गौमाता को राज्य के स्तर में राज्य माता और देश के स्तर में राष्ट्र माता का सम्मान मिले। राजा, वैश्या, दुष्ट व्यक्ति दूसरे के कष्ट को नहीं जानता।

पाटेश्वर धाम जामडी से आए संत बालकदास ने कहा कि 27 अप्रैल को गौ सम्मान दिवस मनाया जाएगा। इस दिन तहसील स्तर पर संपूर्ण देश में गौ-हत्या बंद हो और गौमाता को राष्ट्र माता, राज्य माता का सम्मान मिले इसके लिए ज्ञापन सौंपा जाएगा। सवा-सात यह गौ सम्मान अभियान चलेगा। यदि सरकार नहीं मानी तो संत आमरण अनशन करके गौ माता के लिए प्राण त्याग देंगे, पैरा नहीं जलाना चाहिए, गौ पालन करना चाहिए। भगवान शिव का जो भजन-कीर्तन-चिंतन-पूजन करता है भगवान उनकी मनोकामना त्वरित पूर्ण कर देते हैं। तीर्थराज प्रयाग में श्रीशिव महापुराण की कथा चल रही है, जैसे भगवान सूर्य और चंद्रमा चमकते हैं वैसे ही तीथी में प्रयागराज चमकते हैं।

वहीं बेमेतरा जिले के ग्राम सलधा में सवा लाख शिवलिंग का मंदिर बन रहा है, जिसमें 5100 रुपए देकर पति-पत्नी अपने नाम से एक शिवलिंग की स्थापना करा सकते हैं। या अपने परिवार के किसी भी सदस्य के नाम से शिवलिंग की स्थापना करा सकते हैं। प्रातः काल से यज्ञ भगवान की पूजा होती है जो लगभग 1 एक बजे तक चलती है और 1 एक बजे से कथा मंच प्रारंभहो जाएगा जो हरि इच्छा तक चलेगा।

नागपुर मंडल रेल प्रबंधक ने किया सघन निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता ने 20 मार्च को मंडल का सघन एवं व्यापक निरीक्षण किया गया। सुबह 7.30 बजे विशेष निरीक्षण यान द्वारा नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी से प्रारंभ हुआ। दौरे के दौरान मंडल रेल प्रबंधक द्वारा नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी-रसमरा रेलखंड में विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के अंतर्गत ट्रैक की गुणवत्ता, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली, ओवरहेड विद्युत उपकरण, संरक्षा मानकों तथा ट्रेन परिचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया। वापसी यात्रा के दौरान भी संबंधित खंड का पुनः निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता का आंकलन किया जाएगा। निरीक्षण के तहत रसमरा, राजनांदगांव एवं डोंगरगढ़ स्टेशनों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्टेशन परिसरों की स्वच्छता, प्लेटफॉर्म व्यवस्था, यात्री सुविधाएं जैसे प्रतीक्षालय, पेयजल, शौचालय, टिकटिंग व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों की गहन समीक्षा की। साथ ही यात्रियों को बेहतर एवं सुगम सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया गया।

डोंगरगढ़ स्थित रनिंग रूम का निरीक्षण करते लोको पायलट एवं गार्ड के लिए उपलब्ध विश्राम, स्नानघर एवं अन्य सुविधाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया गया। जिससे कमर्चारियों को सुरक्षित एवं बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित किया किया जा जा सके। विशेष रूप से वर्तमान में आयोजित डोंगरगढ़ मेले के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते मंडल रेल प्रबंधक द्वारा भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, अतिरिक्त टिकट काउंटर, प्लेटफॉर्म प्रबंधन, यात्री मार्गदर्शन एवं रेल संचालन की सुचारू व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया गया। मेला अवधि के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए किए गए विशेष प्रबंधों की समीक्षा करते आवश्यक सुधार हेतु निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक के साथ वरिष्ठ मंडल अभियंता (पूर्व), वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता तथा वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

साप्ताहिक कॉलम

सोलह दूनी आठ

याज्ञवल्क्य मिश्रा

मैडम का एप्लीकेशन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

एक रेंज में पुलिस एक आवेदन से हलाकान परेशान है। मसला एक नेत्री का है जो सत्ताधारी दल से जुड़ी हैं। नेत्री जी ने एक एप्लीकेशन पहले दिया तो पूर्व विधायक जी कानूनी कार्यवाही की फेर में फंस गए। नेत्री ने दूबारा एप्लीकेशन दिया तो रेंज वाले साहब ने एसआईटी ही गठित करने में खैर मानी। अफवाह है कि एसआईटी के पीछे इस नई एप्लीकेशन का मजमून है। इस नए एप्लीकेशन में सत्ताधारी दल की उस नेत्री ने सत्ताधारी पार्टी के युवा नेताओं और निर्वाचित प्रतिनिधियों का नाम लिख डाला है। अब साहब एसआईटी गठित ना करते तो क्या करते। एसआईटी की कमान एक मैडम को दी गई है। सहाफी को एसआईटी के केस की प्रगति रिपोर्ट पता नहीं चल पाई है, उम्मीद की जानी चाहिए कि अपनी गति से जांच चल ही रही होगी।

बबलू भैया का चैलेंज

सुशासन बाबू की सरकार में हिंदू हृदय सम्राट ने धूम मचाते हुए धर्म स्वातंत्र्य बिल को पेश किया और बहुमत का जादू ये कि बिल पास भी हो गया। जोश जोश में हिंदू हृदय सम्राट कांग्रेस की गत दुर्गत करते हुए बोल गए कि कांग्रेस ने बहिष्कार नहीं पलायन किया है। वोट के फेर में पलायन किया है। अब बबलू भैया तो बबलू भैया तीन तूफानी सबसे बड़े लड़ेय्या बबलू भईया कोई बात अइसे ही नहीं कहते हैं। सामने कोईओ हो। बबलू भैया ने टेबल ठोक कर पूछा है ‪ह्लबिल पास करा लिए न.. अब बताओ किस तारीख को लागू करोगे ह्व बताते हैं कि बिल भले से पास हो गया है लेकिन अभी वो गोल गोल घुमेगा। राज्यपाल से राष्ट्रपति के पास जाएगा ही। वजह है कुछ प्रावधान। जब तक ये प्रक्रिया होगी तब तक कोई सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट पहुंच जाए तो बिल्कुल चकित नहीं होना चाहिए।

सो नाउ हाउ विल यू डु इट सर

एक साहब हैं। बीते दिनों उनकी एक चिट्ठी वायरल हुई थी। चिट्ठी साहब ने वायरल कराई या हो गई वो तो पता नहीं पर मसला ये था कि प्रमोशन के मसले से जुड़ी चिट्ठी इस बात पर फोकस थी कि मुझे प्रमोशन नहीं दिए लेकिन बाकी लोग को काहे दिए।बताते हैं कि सीधे सीएम साहब को संबोधित इस पत्र के एवज में संस्पेंशन तय था लेकिन जाने कैसे साहब को कुछ हुआ नहीं। बहरहाल अब खबरें ये हैं कि, साहब की मैडम भी छगपु आने वाली हैं। अफवाह ये है कि 2022 में कैडर बदलने का एप्लिकेशन खारिज हो गया था। लेकिन हालिया दिनों यह आवेदन फिर से आ गया है और पूरी ताक़त से तैर भी रहा है। जलवा फरोशी इसे ही कहते हैं, और इस जलवे से जलन वाले कहते हैं कि साहब बहादुर मध्यप्रदेश की जांच में सहयोग करने जाएँ और वॉयस सैंपल दें दें तो सच्चा झूठा साबित हो जाएगा लेकिन वो जाते ही नहीं। जहां तक मैडम के आवेदन का सवाल है तो सारे साहबान सन्नाटे में हैं। खुले खत के बाद इस आवेदन की स्पीड मानो कह रही है – 'हाँ तो अब कैसे करोगे साहब !'

साहब अपने हीरा हैं

खाकी महकमे में एक साहब हैं। पीएचक्यू में बैठते हैं। साहब का ये है कि समझिए मतलब हीरा हैं हीरा। कहीं रख दो चमकेंगे ही। अब वो चमक रहे हैं लेकिन बाक़ी लोग 'चमक' जा रहे हैं। चमक को यूँ समझिए कि साहब एक अहम मसले के नोडल हैं। हर हफ़्ते बैठक लेते हैं तो ज़िले के वो अफसर जिन्हें जवाब देना है वो ऐसा चमके हैं कि हर बार बैठक के पहले ड्यूटी ही चेंज करा डालते हैं। अब ये जानिए कि साहब चमकते क्यों कर रहे हैं तो देखिए ऐसा है कि एक तो वे हीरा हैं। दूजा ये है कि एकदम प्लेटिनम काम बोलते हैं। बीच में साहब ने फरमाया कि, ये हत्या बलात्कार जैसे मामलों में जो लोग पकड़ाते हैं उन पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही क्यों नहीं करते हैं आप लोग. हर हाल में करिए। याने जो हत्या में यूँ ही 90 दिन के लिए जेल गया है उस पर 151 अलग से लगाओ। अब मसला ये है कि साहब को समझाए कौन। अपने हीरा गुण वाले साहब वही साहब हैं जो विधानसभा में गृह विभाग के सवाल जवाब की तैयारी के दौरान उस प्रश्न पर उलझ गए थे जो डकैती और फिरौती से जुड़ा हुआ था। वो यहीं नहीं समझ पा रहे थे कि डकैती और फिरौती में अंतर क्या है।

कंडोलेंस!

ख्यातिलब्ध पुलिस अफसर विश्वरंजन के निधन पर पुलिस मुख्यालय में कंडोलेंस हुआ। बिल्कुल बिलाशक होना भी चाहिए। शोक के इस माहौल से गुजरते हुए सहाफी के कानों में बहस की आवाज आई। जो बात कही जा रही थी वह ये थी – 'वर्किंग डीआईजी जो पीएचक्यू में ही पोस्टेड था उनके लिए कंडोंलेंस हुआ था या नहीं हुआ था।' सहाफी जल्दी में था तो पूरी बात सुन नहीं पाया।

ये पाठ्यक्रम चलाने वाला गुरुजी चाहिए

पांचवें माले को नए सीपीआर की तलाश है। सीपीआर मतलब ऐसा हो कि, जो सुशासन को समझे और समझा सके। कोई यदि सवाल उठाए व्यंग्य करे तंज कसें कि कहां सुशासन किधर है सुशासन तो वह यह सुनिश्चित समझाने में सफल हो कि, जो चल रहा है और जैसा चल रहा है वही सुशासन की परिभाषा है। अब यदि किसी को वह सुशासन याने कि गूड गवर्नेंस नहीं दिख रहा है तो गलती उसकी है जिसे नहीं दिख रहा है। अपने राम खैर मगन हैं। अपना तो शुरु से मानना है कि राम राज्य के बाद यह सुशासन राज्य ही है जहां सब कुछ भला है सब कुछ अच्छा है, यहां कोई भूखा नहीं सोता, कहीं कोई भ्रष्टाचार नहीं किसी को कोई तकलीफ नहीं।

द लाफिंग बुद्धा

गोलू मोलू हँसमुख हैं टूरिज़्म मिनिस्टर राजेश भैया। उनकी इसी विशेषता की वजह से उन्हे लाफिंग बुद्धा कहते हैं। हँसो और हँसाओ यूँ भी बेजोड़ फिटनेस नुस्खा है। लेकिन अंबिकापुर के एक कार्यक्रम में राजेश भैया वो कर गए जो उनके हाडकोर फैंस को भी डरा गया है। राजेश भैया ने मंच से प्रबोध मिंज को दूसरे क्षेत्र का विधायक बता दिया और सीतापुर के विधायक को सांसद बता दिया। गौरतलब ये भी कि, ये उन्होने सिलसिलेवार किया।राजेश भैया इस कदर मौज में थे कि जब किसी ने टोका कि बार बार गलत कैसे तो हँसते हुए बोले अरे इन लोग सवाल बहुत पूछते हैं। ये उस मंच पर हुआ जहां सीएम साहब याने सुशासन बाबू खुद मौजूद थे।

ए दे ले

अफीम की महक से प्रदेश गुलजार है।पर सरकार ऐसा नहीं है कि शांत है। आखिर सूबे में सुशासन बाबू की सुशासन सरकार है। सीएम साहब ने सूबे के हर कलेक्टर को फरमान जारी किया कि अपने अपने इलाके की इंच इंच जमीन जांचों और रिपोर्ट भेजो। सीएम साहब ने इसके लिए पंद्रह दिन का वक्त दिया था। अब सहाफी को लगा कि आदेश हुजूर का है तो अब तक दर्जन भर से ज्यादा जिलों से रिपोर्ट तो आ ही गई होगी। सहाफी ने फोन लगाकर बड़े साहब से पूछा कि सर रिपोर्ट कितने जिले से आ गई। करम फरमा साहब ने धीर गंभीर और चिर परिचित एकदम धीमी आवाज में कहा –'अभी तो पता नहीं, सोमवार को पता करते हैं।' सहाफी हैरान परेशान हालत में फोन रख दिया। अब खुद सुशासन बाबू के ऑर्डर का कंप्लायस रपट का स्टेटस के लिए नेक्स्ट वर्किंग डे का मसला हो तो फिर कोई क्या ही करेगा। बहरहाल खबर ये भी है कि, कांग्रेस वाले दीपक भैया ने पूरे राज्य में कांग्रेस को सक्रिय कर दिया है और हर जगह से रिपोर्ट मँगा रहे हैं। कहीं ऐसा ना हो जाए कि सुशासन बाबू की तलब की हुई रिपोर्ट के आने के पहले कांग्रेस बवालिया रिपोर्ट जारी कर दे।

चाणक्य की रफ कॉपी

एक राजा था, और उसके इर्द गिर्द एडवाइजर थे। एक एडवाइजर तनखा नहीं लेते थे क्योंकि प्राइवेट फंडिंग मैनेजमेंट डिपार्टमेंट हेड भी थे जो बचे वो तनखा भी लेते थे। राजा भला भी था, पर उसके बावजूद हुआ ये कि राजा लुट पिट गया राज्य चला गया। इसे लेकर चाणक्य जी ने अपनी रफ कॉपी में छोटा सा नोट लिखा। उस नोट पर लिखा था –'राजा के सलाहकार राजा से मिलने वालों को लेकर राजा को केवल दो सलाह देते थे,पहली तो यह कि यह जो है यह दुश्मन है और दूसरी सलाह यह कि यह दोस्त नहीं है।' अब इस बात का भला छत्तीसगढ़ से क्या ही लेना देना है। सुशासन सरकार की क़सम है कि कोई लेना देना नहीं है। हाँ अब ये तो संयोग ही है कि राजा यहां भी भला है, सलाहकार यहां भी हैं। मिलने वाले आ रहे हैं और फिर पता नहीं क्या हो रहा है कि कुछ दिन बाद प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली निकल जा रहे हैं।

भिलाई की अनुष्का बनीं फेमिना मिस इंडिया छत्तीसगढ़ 2026

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई की एमबीबीएस छात्रा अनुष्का सोन को फेमिना मिस इंडिया 2026 के 61वें संस्करण हेतु मिस इंडिया छत्तीसगढ़ 2026 के रूप में चयनित किया गया है। वे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी।

इस प्रतियोगिता की प्रारंभिक चयन प्रक्रिया कोलकाता में आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों प्रतिभागियों में से पांच फाइनलिस्ट चुनी गईं। इसके पश्चात अंतिम ऑडिशन मुंबई में हुआ, जहां इस प्रतियोगिता मे नताशा ग्रोवर, निकिता पोरवाल (फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024), गोकुल गणेशन (मिस्टर इंडिया वर्ल्ड 2024), अल्तमास फराज, सचिन कुम्भार, डॉ. ब्लॉसम कोच्चर, संदीप सोपरकर जैसे प्रतिष्ठित निर्णायकों द्वारा अनुष्का सोन को यह खिताब प्रदान किया गया। देशभर के विभिन्न राज्यों से चयनित प्रतिभागियों को अब लगभग एक माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद भव्य अंतिम चरण भुवनेश्वर में आयोजित होगा, जहां देश को उसकी नई फेमिना मिस इंडिया 2026 मिलेगी।

फेमिना मिस इंडिया, द टाइम्स ग्रुप द्वारा उनके प्रमुख ब्रांड फेमिना के अंतर्गत आयोजित एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, प्रतिभा एवं सामाजिक समझ का मूल्यांकन करना है। विजेता को अंतरराष्ट्रीय मंच, विशेष रूप से Miss World में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलता है। इस मंच से आगे बढ़कर ऐश्वर्या राय,प्रियंका चोपड़ा, सुष्मिता सेन,मानुषी छिल्लर जैसे अनेक प्रतिभाशाली व्यक्तित्व राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके हैं।

ऑनलाइन सट्टा गिरोह : दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 7 आरोपी हुए गिरफ्तार

करोड़ों के अवैध नेटवर्क का हुआ पर्दाफाश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में तेजी से फैल रहे ऑनलाइन सट्टा कारोबार पर दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना जामुल क्षेत्र में दबिश देकर पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो सोशल मीडिया और आधुनिक तकनीक के जरिए करोड़ों का अवैध सट्टा कारोबार संचालित कर रहे थे।

किराए के मकान से चल रहा था हाईटेक सट्टा रैकेट

पुलिस को सूचना मिली थी कि नालंदा स्कूल के पीछे सुंदर विहार कॉलोनी फेस-2 स्थित एक मकान में ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा और आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

इंस्टाग्राम-व्हाट्सएप से जोड़ते थे ग्राहक

जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह

'ड्रैगन टाइगर', 'अंदर-बाहर', 'तीन पत्ती', 'टेनिस', 'फुटबॉल' और 'रूलेट' जैसे गेम्स पर ऑनलाइन सट्टा खिलाता था। आरोपियों द्वारा इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के जरिए ग्राहकों को जोड़कर उन्हें आईडी उपलब्ध कराई जाती थी और मोबाइल व लैपटॉप के माध्यम से सट्टा संचालन किया जाता था।

म्यूल अकाउंट और फर्जी सिम से छिपाते थे लेन-देन

गिरोह द्वारा अवैध कमाई को छिपाने के लिए विभिन्न सिम कार्ड और म्यूल बैंक खातों का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, गिरोह में कार्यों का स्पष्ट बंटवारा था और बाहरी तकनीकी नेटवर्क से भी संचालन नियंत्रित किया जा रहा था।

करोड़ों के कारोबार का खुलासा

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह प्रतिदिन 3 से 7 लाख रुपये तक का लेन-देन करता था। इस आधार पर करोड़ों रुपये के अवैध कारोबार का अंदेशा जताया जा रहा है।

भारी मात्रा में सामग्री जब्त

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 1 लाख नकद, 16 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप, 15 एटीएम कार्ड, 7 बैंक पासबुक, वाई-फाई उपकरण, लेन-देन रजिस्टर और एक पासपोर्ट जब्त किया है।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

पुलिस ने पोषण निषाद, योगेश कुमार विश्वकर्मा, गौरव तिवारी, संजय कुमार जायसवाल, चुनेश निषाद, विक्रम सिंह उर्फ विक्की और उदल हमणे को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में अपराध क्रमांक 185/2026 के तहत धारा 318(4) बीएनएस एवं छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 6, 7, 8 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

पुलिस की सख्त चेतावनी

दुर्ग पुलिस ने साफ किया है कि ऑनलाइन सट्टा और अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि ऐसे अवैध नेटवर्क से दूर रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

भूमिहार समाज के पदाधिकारी मिले पूर्व पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव से

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ब्रह्म ऋषि भूमिहार ब्राह्मण समाज रायपुर के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र चंदखुरी में प्रथम श्रेणी अधिकारी एवं पूर्व पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा के हालिया परिणामों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष विशेष रूप से बिहार राज्य के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया है। डॉ. अभिषेक पल्लव स्वयं बिहार राज्य से होने के कारण इस विषय पर विशेष अनुभव साझा किया।

डॉ. पल्लव ने युवाओं को UPSC जैसी कठिन परीक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता का मूल मंत्र कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतरता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन, सही मार्गदर्शन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। समाज के पदाधिकारियों ने इस मार्गदर्शन को युवाओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक बताते हुए आभार व्यक्त किया।

बाल मैत्री कार्यक्रम के लिए कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को दिया गया टिप्स

कुपोषण मुक्त घोषित ग्राम पंचायत रवेलीडीह की दोनों कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत किशोरी बालिकाओं के उन्मुखीकरण एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बाल मैत्री कार्यक्रम की जानकारी हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी आर के जामुलकर एवं जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग ग्रामीण एवं दुर्ग शहरी के द्वारा संयुक्त कायर्शाला का आयोजन विवेकानंद सभागार दुर्ग में किया गया।

कार्यक्रम में जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय साहू परियोजना अधिकारी ग्रामीण एवं शहरी श्रीमती उषा झा श्रीमती अनीता सिंह दुर्ग ग्रामीण एवं शहरी की सभी पर्यवेक्षक व कार्यकर्ताएं एवं किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम अंतर्गत गुड पेरेंटिंग विषय पर कार्यकर्ताओं के लिए संवाद कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें अतिथि वक्ता शिक्षाविद सुचित्रा श्रीवास्तव एवं गायत्री श्रीवास्तव ने कार्यकर्ताओं से इस विषय पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से प्रतिमाह आयोजित होने वाले बाल मैत्री कार्यक्रम के बारे में बताया गया इसमें 4 से 6 वर्ष के बीच के बच्चे जो स्कूल जाने के लिए तैयार हैं उन आंगनबाड़ी के बच्चों और प्राइमरी स्कूल के बच्चों के बीच सहज वातावरण निर्माण हो सके इसके लिए बाल मैत्री कार्यक्रम का आयोजन सभी आंगनबाड़ी केंद्र में किया जाना है जिसमें बच्चों को प्राइमरी स्कूल का भ्रमण कराया जाना तथा क्लास वन एवं आंगनबाड़ी के बच्चों की बीच सहज वातावरण निर्माण कैसे हो सके इस बारे में शिक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यक्रम अंतर्गत भारत शासन द्वारा परियोजना दुर्ग ग्रामीण के कुपोषण मुक्त घोषित ग्राम पंचायत रवेलीडीह की दोनों कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

बच्चों को संस्कारवान बनाने की तैयारी

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ी के बच्चों को किस तरह से भविष्य के लिए संस्कारवान बच्चों के रूप में तैयार कर सकती है इसके बारे में बताया। बच्चे कच्ची मिट्टी के घड़े के समान होते हैं बड़ों को जैसा आचरण करते देखते हैं, घर में पालकों और आंगनबाड़ी या स्कूल में शिक्षक जिस तरह की भाषा, बोली, भाव भंगिमा या बातचीत करते हैं वह वैसा ही सीखते जाते हैं। बच्चे सभी बातों को ध्यान से सुनते हैं और अनुकरण करने की कोशिश करते हैं अत : पालको और शिक्षकों की जिम्मेदारी बनती है कि अपनी बोली और भाव भंगिमा, संबोधन आदि को सही रखें। बच्चों से हमेशा प्रेम और स्नेह से ही संवाद करे, पढ़ाई के साथ साथ नैतिक शिक्षा, अच्छी बातें संस्कार भी खेल खेल में सीखाते जाएं। बच्चों के अच्छे कार्यों की तारीफ जरूर करें।

एनडीपीएस मामलों में कसावट लाने दुर्ग पुलिस का बड़ा कदम

65 विवेचकों ने भाग लेकर एनडीपीएस एक्ट की बारीकियों को समझा, एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मादक पदार्थों से जुड़े मामलों की जांच को और अधिक मजबूत एवं न्यायालयीन कसौटी पर खरा बनाने के लिए दुर्ग पुलिस ने अहम पहल की है। पुलिस कार्यालय, दुर्ग के निर्देशन में रविवार को एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 65 विवेचकों ने भाग लेकर एनडीपीएस एक्ट की बारीकियों को समझा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में गुणवत्तापूर्ण, विधिसम्मत और तकनीकी रूप से सुदृढ़ विवेचना सुनिश्चित करना रहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर मामले में जप्ती, सैंपलिंग, चेन ऑफ कस्टडी और कानूनी प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाए, ताकि न्यायालय में मजबूत अभियोजन प्रस्तुत किया जा सके।

पुरानी पुलिस लाइन स्थित दधीचि प्रशिक्षण हाल में आयोजित इस कार्यक्रम में एएसआई से लेकर निरीक्षक स्तर तक के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया। प्रशिक्षण में प्रारंभिक जांच से लेकर चालान पेश करने तक की पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया।

विशेषज्ञों ने साझा किया अनुभव

प्रशिक्षण के दौरान एजीपी प्रकाश शर्मा ने केस स्टडी के जरिए विवेचना की गुणवत्ता सुधारने पर जोर दिया। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता विजय कसार ने दस्तावेजी साक्ष्यों की शुद्धता और न्यायालय में उनकी स्वीकायर्ता सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण पहलुओं को विस्तार से समझाया। वरिष्ठ अधिवक्ता केके द्विवेदी ने तकनीकी त्रुटियों से बचने और मामलों को कानूनी रूप से मजबूत बनाने के उपाय बताए।

मजबूत जांच से बढ़ेगी सजा की दर

दुर्ग पुलिस का मानना है कि इस तरह के प्रशिक्षण से विवेचना में होने वाली तकनीकी त्रुटियों में कमी आएगी और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में दोषियों को सजा दिलाने की दर में वृद्धि होगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आगे भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर जांच की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाया जाएगा, ताकि नशे के खिलाफ चल रही मुहिम को और प्रभावी बनाया जा सके।

वहीं एफएसएल भिलाई के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी पंकज ताम्रकार ने सैंपलिंग प्रक्रिया, साक्ष्य संकलन और मादक पदार्थों को समय पर परीक्षण हेतु भेजने की तकनीकी जानकारी दी।

चेन ऑफ कस्टडी और साक्ष्य पर विशेष फोकस

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मणिशंकर चन्द्रा ने एनडीपीएस एक्ट की धाराओं—50, 55, 57 और 29—के प्रभावी पालन, जप्त सामग्री की सुरक्षित अभिरक्षा और चेन ऑफ कस्टडी के महत्व पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया।

लैलूंगा बना नशे की खेती का नया गढ़ ! 50 डिसमिल खेत में अफीम बरामद

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

छत्तीसगढ़ में अफीम की अवैध खेती का दायरा अब खतरनाक रूप से फैलता जा रहा है। ताजा मामला रायगढ़ जिले के लैलूंगा ब्लॉक से सामने आया है, जहां नवीन घटगांव में एक किसान के करीब 50 डिसमिल खेत में अफीम की फसल मिलने से पूरे प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है और खेत को घेरकर जांच व कार्रवाई शुरू कर दी गई है। लेकिन इस कार्रवाई से ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह खेती कब से चल रही थी और जिम्मेदार लोग अब तक क्या कर रहे थे?

एक के बाद एक खुलासे, फिर भी सिस्टम बेखबर : लैलूंगा का यह मामला कोई अकेली घटना नहीं है। इससे पहले दुर्ग में लगभग 6 एकड़ जमीन पर करीब 8 करोड़ की अफीम की खेती पकड़ी गई थी। इसके बाद बलरामपुर और तमनार में भी करोड़ों की अवैध फसल का खुलासा हुआ। अब लैलूंगा में फिर अफीम मिलने से साफ है कि छत्तीसगढ़ में यह नेटवर्क

तेजी से पैर पसार चुका है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद खुलने लगे राज : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा कलेक्टरों से 15 दिनों में रिपोर्ट तलब करने के बाद अचानक लगातार मामलों का सामने आना कई सवाल खड़े कर रहा है। क्या पहले ये सब दबा हुआ था? क्या प्रशासन तब तक सोया हुआ था जब तक ऊपर से सख्ती नहीं आई?

धान का कटोरा या अफीम का अड्डा? : छत्तीसगढ़ की पहचान धान उत्पादन से रही है, लेकिन अब जिस तरह खेतों में अफीम की फसल उग रही है, वह राज्य की छवि पर सीधा हमला है। यह केवल अवैध खेती नहीं, बल्कि एक बड़े नशा नेटवर्क की आहट है।

सबसे बड़ा सवाल यही है— अफीम का बीज कहां से आया? किसके संरक्षण में यह खेती हो रही थी और तैयार माल की सप्लाई कहां हो रही थी। अफीम जैसी फसल बिना नेटवर्क और संरक्षण के संभव नहीं। ऐसे में केवल खेत उजाड़ना या छोटे किसानों पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं होगा।

सिर्फ कार्रवाई नहीं, जवाबदेही भी तय हो : हर बार की तरह अगर इस बार भी मामला कुछ गिरफ्तारियों और औपचारिक कार्रवाई तक सीमित रहा, तो यह आग और फैलती जाएगी। जरूरत है कि जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आए और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जाए। छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है, लेकिन नशे का यह नया जाल राज्य को एक और गहरे संकट में धकेल सकता है।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।